page 1 and 8 may 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/16/2026 2:04 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 बर्फ हटाने के बाद एसएसजी रोड दोतरफा यातायात के लिए खोला गया

5 इगा स्वियातेक को हराकर एलिना स्वितोलिना ने बनाई फाइनल में जगह

8 बोबिया में आयुक्त सचिव का दौरा

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-118 | जम्मू तवी, शनिवार 16 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत और यूएई ने ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये

अबू धाबी, 15 मई । भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए ऊर्जा, रक्षा, समुद्री, प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में छह समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किये। अमीरात ने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायेद अल नहयान के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये।

इनमें इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) ने भारत में विशाखापतनम और चांदीकोल में तीन करोड़ बैरल तक कच्चे तेल के भंडारण की संभावनाओं, यूएई के फुजैरा में भंडारण और भारत में एलएनजी तथा एलपीजी भंडारण में सहयोग पर समझौता प्रमुख है। भारत की इंडियन ऑयल लिमिटेड (आईओसीएल) और अमीरात की एडीएनओसी ने एलपीजी आपूर्ति पर रणनीतिक सहयोग

पर भी समझौता किया, जिसमें दीर्घकालिक आपूर्ति और खरीद समझौतों की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने औद्योगिक सहयोग, उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, विशेष संचालन, समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और सुरक्षित संचार के लिए ढाँचा स्थापित किया, ताकि आपसी सहयोग और रणनीतिक सामंजस्य बढ़ाया जा सके।कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और ड्राईडॉक्स वर्ल्ड (डीडीडब्ल्यू) ने वाड़ीनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें ऑफशोर फैब्रिकेशन शामिल है। इसके अलावा, कोचिन शिपयार्ड, ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेरिटाइम एंड शिपबिल्डिंग (सीईएमएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन भारतीय समुद्री कार्यबल को प्रशिक्षित और रोजगार देने का ढांचा तैयार करेगा और भारत को शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर पेशेवरों के लिए एक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडैक), और यूएई के जी-42 ने भारत के एआई मिशन के हिस्से के रूप में 8 एक्साफ्लॉप सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने पर समझौता किया।

यूएई के निवेशकों ने भी वित्तीय प्रतिबद्धताओं की घोषणा की जिनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) और भारत के नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट फंड (एनआईआईएफ) द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर में एक अरब डॉलर तक निवेश, एमिरेट्स न्यू डेवलपमेंट बैंक (ईएनबीडी) द्वारा आरबीएल बैंक ऑफ़ इंडिया में तीन अरब डॉलर का निवेश और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा सममान कैपिटल ऑफ़ इंडिया में एक अरब डॉलर का निवेश शामिल है। इन समझौतों और निवेश से दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंध गहरे होंगे। इसके साथ ही भारत की ऊर्जा और रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और प्रौद्योगिकी तथा समुद्री क्षेत्र में विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकताओं को दर्शाया : वायुसेना प्रमुख

जम्मू तवी, 15 मई। 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबक को रेखांकित करते हुए भारतीय वायुसेना प्रमुख ए. पी. सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ड्रोन और मानव रहित हवाई प्रणाली अब केवल आकाश में आंखें नहीं रहे, बल्कि आकाश के पंजे बन गए हैं, जिससे आधुनिक युद्ध की प्रकृति पूरी तरह बदल गई है। सबरोतो पार्क में मानव रहित हवाई प्रणाली और काउंटर-UAS पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ने कहा, हाल के संघर्ष, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर भी शामिल है, ने ड्रोन की बढ़ती आक्रामक भूमिका और एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली तथा तीनों सेनाओं के बीच रियल-टाइम समन्वय की आवश्यकता को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह महसूस किया कि ये सिस्टम अब केवल आकाश में आंखें नहीं हैं, बल्कि अब ये आकाश के पंजे बन चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर के लगभग चार दिवसीय संघर्ष का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि दुश्मन के ड्रोन और हथियार प्रणालियों को निष्क्रिय करने में भारत की सफलता एकीकृत संचालन और केंद्रीकृत कमांड संरचना के कारण संभव हुई। आईएएफ प्रमुख के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान दुश्मन के किसी भी ड्रोन या हथियार प्रणाली ने अपने लक्ष्य को प्रभावित नहीं किया, क्योंकि भारतीय सेनाएं एकीकृत रूप से काम कर रही थीं। सिंह ने कहा कि आधुनिक

युद्धक्षेत्र अब केंद्रित हवाई शक्ति से हटकर विकेन्द्रीकृत और स्वायत्त प्रणालियों की ओर बढ़ रहा है, जिससे ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीकों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा, युद्धक्षेत्र बदल चुका है, इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य का युद्ध मानवयुक्त और मानव रहित प्रणालियों के संयुक्त संचालन पर आधारित होगा।मानव को पूरी तरह बाहर नहीं किया जा सकता। शायद पूरी तरह अंदर भी नहीं, लेकिन कम से कम प्रक्रिया में उसकी मौजूदगी जरूरी है, उन्होंने कहा। एयर चीफ मार्शल ने हवाई युद्ध में पूर्ण डोमेन जागरूकता के महत्व पर जोर दिया और समन्वय के अभाव में 'फ्रेंडली फायर' जैसी घटनाओं के खतरे के प्रति आगाह किया।

खबर संक्षेप

ब्रिक्स ने पहलगाम हमले की निंदा की, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस का समर्थन किया

श्रीनगर, 15 मई। आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए, ब्रिक्स विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 26 नागरिकों की जान गई थी, और आतंकवाद को समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर ठोस कार्रवाई का आह्वान किया।

नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के समापन पर जारी बयान में कहा गया कि मंत्रियों ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और ऐसे कृत्यों को किसी भी प्रेरणा, समय, स्थान या अपराधी के आधार पर अपराध और अनुचित बताया।

बयान में कहा गया, मंत्रियों ने विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख किया, जिसमें 26 लोगों की मृत्यु हुई और कई अन्य घायल हुए।

मंत्रियों ने आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें आतंकियों की सीमा पार आवाजाही, आतंक वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों को समाप्त करना शामिल है।

सरकार ने जल शक्ति इंजीनियरिंग कैडर के बड़े पुनर्गठन को दी मंजूरी

जम्मू, 15 मई । जम्मू-कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में जल आपूर्ति और जल अवसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से जल शक्ति विभाग के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर इंजीनियरिंग (राजपत्रित) सेवा के कैडर की व्यापक समीक्षा और पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है।

सरकारी आदेश के अनुसार विभाग में तकनीकी सचिव के पद का सृजन, एक अलग डीआईक्यूसी की स्थापना और जम्मू-द्वढ्ढ और बांदीपोरा जल सर्किल के लिए अधीक्षण अभियंता के कार्यालयों के सृजन को मंजूरी दी गई है। आदेश में गंडोह, गुरेज और तंगदार में जल प्रभागों सहित 6 नए प्रभागों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा मेंढर में एक पीएचई प्रभाग और जम्मू और कश्मीर प्रांतों के लिए 2 जल गुणवत्ता और निगरानी प्रभागों का गठन किया गया है। सरकार ने यांत्रिक उप-मंडलों के पुनर्गठन, 62 मौजूदा पदों को घटाकर 43 नए पदों के सृजन, 10 पदों के कैडर में शामिल करने और कैडर के भीतर 137 पदों के पुनर्आवंटन को भी मंजूरी दी है।

बुजुर्ग महिला की हत्या, बेटी के अपहरण की कोशिश रोकने के दौरान हुई घटना; 12 घंटे में मामला सुलझा

माइनर लड़की सुरक्षित बरामद, आरोपी गिरफ्तार

श्रीनगर, 15 मई। बडगाम जिले के खांसाहिब के केचपुरान क्षेत्र में 15 वर्षीय बेटी के कथित अपहरण को रोकने के प्रयास में एक महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर हत्या और अपहरण का मामला सुलझाकर नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, रात के समय चेक शीरा क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने महिला को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। महिला को जिला अस्पताल बडगाम ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की और बाद में पाया कि महिला की बेटी का अपहरण किया गया था तथा उसे बचाने के प्रयास में महिला की हत्या की गई। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी को श्रीनगर के परिम्पोरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया और 15 वर्षीय लड़की को सुरक्षित बचा लिया। मामले में हत्या और अपहरण की धाराएं जोड़ दी गई हैं और आगे जांच जारी है।

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज

मुंबई, 15 मई । केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में शुक्रवार को कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि

हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ़्तार बढ़ेगी।

चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और ज़ीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपये की सहायता देना हो, और

बिजली अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने 93 करोड़ रुपये की राशि को दी मंजूरी

श्रीनगर, 15 मई । जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार लाने और विद्युत पारेषण को मजबूत करने के उद्देश्य से 93 करोड़ रुपये से अधिक की प्रमुख विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने जैनाकोट ग्रिड सब स्टेशन की क्षमता को 450 मेगावाट से बढ़ाकर 780 मेगावाट करने की 67.66 करोड़ रुपये की लागत को मंजूरी दी है, साथ ही 132 किलोवाट पंपोर-रावलपोरा और रावलपोरा-बेमिना पारेषण लाइनों के उन्नयन को 25.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी दी है। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य पारेषण क्षमता बढ़ाकर, बिजली कटौती को कम करके और उपभोक्ताओं के लिए अधिक विश्वसनीय और कुशल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करके श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत अवसंरचना को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करना है।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विस्तार के लिए व्यापक योजना पर जोर दिया

श्रीनगर, 15 मई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज प्रमुख हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य पर्यटन, कृषि, हस्तशिल्प और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत कर जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक समग्र रणनीति और संस्थागत मंच विकसित करना था। विचार-विमर्श के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाकर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन देना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में पहले से कई पहल चल रही हैं और उनके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि क्षेत्र के लिए होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम , उद्योग के लिए MSME हेल्थ क्लिनिक और रैंप , उद्यमिता के लिए मिशन युवा तथा पर्यटन के लिए होमस्टे पहल सहित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान आवश्यकता एक एकीकृत प्रणाली विकसित करने की है, जो सभी क्षेत्रों की शक्तियों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन, कृषि, उद्योग और हस्तशिल्प जैसे आर्थिक क्षेत्रों को समन्वित रूप से समर्थन प्रदान कर सके।

हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े व्यक्ति की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर, 15 मई। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से सक्रिय आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के एक घोषित अपराधी की अचल संपत्ति शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में कुर्क की गई द्य एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र और राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर निरंतर कार्रवाई के तहत सोपोर पुलिस ने ई एंड आईएमसीओ अधिनियम के तहत पंजल्ला पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में शामिल एक घोषित अपराधी की अचल संपत्ति कुर्क की है। उन्होंने बताया कि घोषित अपराधी की पहचान उत्तरी कश्मीर जिले के रोहामा रफियाबाद इलाके के निवासी गुलाम मोहम्मद भट उर्फ हैदर के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि आरोपी अवैध हथियार और गोला-बारूद का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुस गया था और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भट वर्तमान में पाकिस्तान से एचएम आतंकी नेटवर्क के साथ समन्वय में काम कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर के दूरदराज क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सकीना इटू

उधमपुर (मजलता), 15 मई। शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज उधमपुर जिले के मजलता स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में उधमपुर पूर्व के विधायक रणबीर सिंह पठानिया, उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा, उपायुक्त उधमपुर मिंगा शेरपा, निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू, निदेशक कॉलेज, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं जम्मू, कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण, बड़ी संख्या में विद्यार्थी और स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में सकीना इटू ने कॉलेज परिवार और स्थानीय समुदाय को स्थायी परिसर भवन के सफल निर्माण पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने नशा मुक्त समाज के निर्माण की आवश्यकता पर विशेष जोर देते हुए शैक्षणिक संस्थानों से नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के खिलाफ जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और उन्हें रचनात्मक, सकारात्मक तथा सामाजिक रूप से जिम्मेदार गतिविधियों की ओर मार्गदर्शन देना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों से नशे और अन्य हानिकारक व्यसनों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के जीवन को बर्बाद करता है बल्कि परिवार और पूरे समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने नशे की समस्या से निपटने के लिए परामर्श सेवाओं, जागरूकता अभियानों, खेल गतिविधियों और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर भी बल दिया। मंत्री ने कहा कि नैतिक मार्गदर्शन और अनुशासन के केंद्र के रूप में शैक्षणिक संस्थानों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को शिक्षा, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में केंद्रित रखें।उन्होंने कहा कि इस स्थायी कॉलेज भवन का उद्घाटन सरकारी डिग्री कॉलेज मजलता के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है और यह जम्मू-कश्मीर के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को मजबूत करने के प्रति सरकार की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

एल जी वीके सक्सेना ने लेह में इगू-फेय सिंचाई नहर का संचालन शुरू किया, सिंचाई और जल सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु पानी छोड़ा

लद्दाख में जल सुरक्षा, कृषि विकास और समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

लेह, 15 मई। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह के मार्त्सेलांग में ऐतिहासिक इगू-फेय सिंचाई नहर में औपचारिक रूप से पानी छोड़कर वर्ष 2026 की सिंचाई ऋतु की शुरुआत की। यह नहर, जो भारी गाद से भरी हुई और जर्जर अवस्था में थी, को उपराज्यपाल द्वारा 25 अप्रैल को किए गए दौरे के बाद मात्र 20 दिनों के रिकॉर्ड समय में पुनर्स्थापित, गादमुक्त और साफ किया गया। उपराज्यपाल ने उस समय अधिकारियों को निर्देश दिया था कि 15 मई तक नहर की मरम्मत और सफाई कर इसे संचालन योग्य बनाया जाए।

इस नहर का निर्माण कार्य वर्ष 1979 में शुरू हुआ था और 2005 में पूरा हुआ। इसके बावजूद यह लंबे समय से बदहाल स्थिति में पड़ी थी, जिससे परियोजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा था।

43 किलोमीटर लंबी इस नहर का संचालन शुरू होना केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की सिंचाई अवसंरचना को सुदृढ़ करने, जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और लद्दाख में कृषि उत्पादकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को भी पुनः स्थापित करता है। अगले 60 घंटों में जब पानी नहर के अंतिम छोर तक पहुंचेगा, तब यह मार्ग में आने वाले गांवों की 4334 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करेगा। इसे एक अच्छी शुरुआत बताते हुए उपराज्यपाल श्री सक्सेना ने कहा कि नहर में पानी छोड़े जाने से सिंचाई पर निर्भर किसानों और गांवों को लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र में कृषि समृद्धि को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने पीएचई/आई एंड एफसी विभाग के अधिकारियों की सराहना की, जिन्होंने उनके 25 अप्रैल के दौरे के दौरान निर्धारित समयसीमा के भीतर नहर को पुनर्स्थापित कर संचालन योग्य बनाया। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि सभी आवश्यक कार्य समय पर पूरे किए जाएं ताकि 15 मई तक पानी छोड़ा जा सके। श्री सक्सेना ने अतिरिक्त वितरक नहरों (डिस्ट्रिब्यूटरी चैनलों) के निर्माण के निर्देश भी दिए ताकि अधिक गांवों और कृषि भूमि तक पानी की समान और व्यापक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को क्षेत्र में स्थानीय किसानों के साथ कार्य करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वे लद्दाख की जलवायु के अनुकूल फसलों की किस्मों पर प्रयोग कर किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकें।

उपराज्यपाल ने यह भी घोषणा की कि बंद पड़ी स्टाकना नहर को जल्द ही पुनर्जीवित किया जाएगा और बताया कि संबंधित विभाग को इस दिशा में शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

चील को मिला चकमा

बहुत दिन हुए एक सीधा-सादा, नाटा और बदसूरत देहाती रहता था। उसका नाम था- हाजी बग़लोल। उसकी अजीब-सी बकरे जैसी दाढ़ी थी, जिसकी वजह से वह बिल्कुल बकरे जैसा ही दिखता था। उसने अपनी सारी ज़िन्दगी गांव में ही बिताई थी।

एक बार वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव गया। उसकी मौसी ने उसे कलेजी खाने को दी, जो उसे बहुत स्वादिष्ट लगी। उसने अपनी मौसी से कलेजी बनाने की विधि पूछी। मौसी ने विधि एक कागज़ पर लिखकर हाजी को दे दी।

हाजी बगलोल ने कागज को बहुत सम्भालकर अपनी जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो कलेजी खरीदी और उसे पॉलीथिन में डालकर हाथ में लिए अपने गांव की तरफ जा रहा था कि एक चील ने वह पॉलीथिन देख लिया। बेसब्र चील ने ाोर से झपटा मारा और कलेजी को लेकर उड़ गई।

पहले तो इस आकस्मिक हमले से हाजी बग़लोल घबरा गए। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा, तो ठहाका लगाकर हंस पड़ा। जिन लोगों ने यह पूरा वाकया देखा था, वे हैरान थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि गुस्सा करने के बजाए हाजी ठहाका मारकर हंस क्यों रहा है। मानो कोई बहुत खुशी की बात हो।

'एक तो चील तुम्हारे हाथ से कलेजी ले उड़ी, उस पर तुम हंस रहे हो। ऐसी क्या बात हो गई भाई?' एक आदमी ने पूछा। उसने खुशी-खुशी कहा,'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूं। बेचारी चील कलेजी तो छीन ले गई। उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में ही रह गई। अब वह चील कलेजी का करेगी क्या?

बच्चों को बिगाड़ रहे हैं मोबाइल फोन

आज मोबाइल फोन हमारी जरूरत बन गए हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मोबाइल फोन से 8 साल के बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो रही है। यह अध्ययन से 15 साल के एक हजार बच्चों पर बेस्ड है। इसमें यह पाया गया कि इनमें से आधे बच्चों के पास आईफोन जैसे स्मार्टफोन थे। ज्यादातर बच्चों ने कहा कि ये फोन उन्हें उनके माता पिता ने दिए हैं।

ये बच्चे इन मोबाइलों का इस्तेमाल हिंसक और पॉर्न कंटेट देखने में करते हैं। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के 12 लाख बच्चे मोबाइलों पर गलत सामग्री देखते हैं। कारफोन वेयरहाउस के सर्वे के मुताबिक दस में से करीब 9 बच्चों के मोबाइल पर सिक्योरिटी सेटिंग नहीं थी और 46 पर्सेंट इस बात से अंजान थे कि मोबाइल में सिक्योरिटी सेटिंग होना जरूरी है। इनमें 27 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि उन्हें अनवॉन्टेड कॉल्स और मेसेज रिसीव होते हैं। चाइल्ड साइकॉलोजिस्ट प्रफेसर तान्या बायरॉन जो कि यूके सरकार को चाइल्ड इंटरनेट सेफ्टी लागू करने की सलाह दे चुके हैं, उनके मुताबिक इंटरनेट के जमाने में इस स्टडी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे मोबाइल फोन यूज करते हैं, जिनमें इंटरनेट एक्सेस होता है तो आपको संभलने की जरूरत है।

कहां से आया फलों का राजा आम

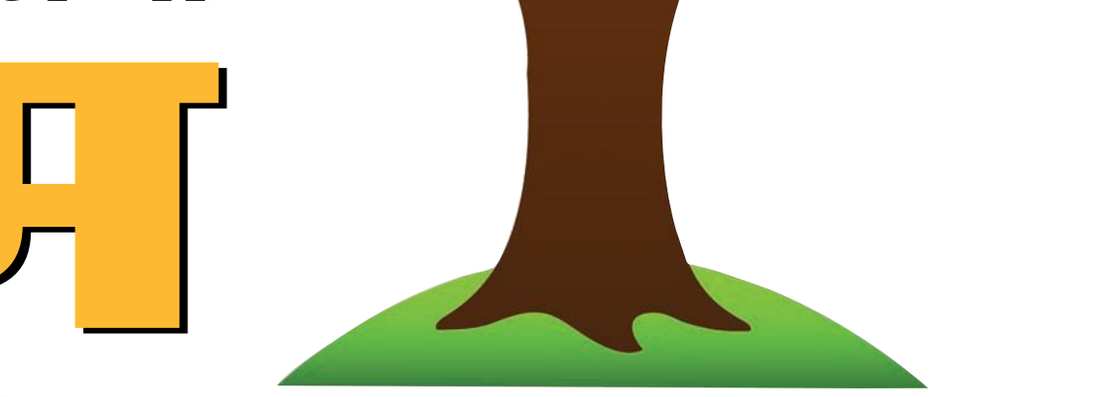

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था।

कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लघु, पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबदीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम की कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनू' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनूं नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्टा है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद मीठा है।

'ऐग मैंगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कक्डन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कोंकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

कितने सारे टीचर्स!!!

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारे सब शामिल हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। अब आप सोच रहे होंगे, ये तो हमें मालूम है, तो फिर क्यों बताया जा रहा है। पर दोस्तो, क्या आपने अपने आस-पास मौजूद इन तत्वों से कुछ सीखने की कोशिश की है। क्या?..ये क्या सिखाएंगे!!! ये तो बोलते ही नहीं है। अरे ये बिना बोले ही काफी कुछ कह जाते हैं। बस जरूरत है इनको ध्यान से सुनने की। आइए हम लेकर चलते हैं आपको इन सबसे मिलवाने और इनसे दोस्ती भी करवाने..।

कुछ कहते हैं ये पेड़-पौधे

हमारी धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं। बस इतना जानते हैं आप। इनके वो गुण भी देखिए, जिनसे अब तक आप अनजान थे।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात्र थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचेंडरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

लखनपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई–30 मवेशी छुड़ाए, तस्करी में शामिल 2 वाहन जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने लखनपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए मवेशी तस्करी के प्रयासों को नाकाम कर दिया। इस दौरान कुल 30 मवेशियों को छुड़ाया गया, एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा दो वाहनों को जब्त किया गया।

जानकारी के अनुसार 14 मई को कीढ़ियां क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कैंटर (जेके13एच-5720) को रोका गया जिसमें 12 मवेशी क्रूरता से भरे पाए गए। चालक शाहीर चैधरी को मौके पर गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में रावी नदी क्षेत्र में बिना नंबर के एक वाहन को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान उसमें से 18 मवेशी बरामद किए गए। दोनों मामलों में पुलिस स्टेशन लखनपुर में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

जीजीएम साइंस कॉलेज मेंसॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं बेस्ट फ्रॉम वेस्ट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 15 मई (हि.स.)। जम्मू स्थित जीजीएम साइंस कालेज के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा ईको-एनवायरमेंट/ई-वेस्ट कमेटी के सहयोग से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं बेस्ट फॉम वेस्ट विषय पर जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ कचरा प्रबंधन और रचनात्मक पुनर्चक्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। यह कार्यक्रम डॉ. राहुल कैत और डॉ. निताशा साहनी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने बेकार सामग्री से

उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुएं तैयार कर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल के सिद्धांतों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रदर्शित मॉडलों का मूल्यांकन डॉ. ब्रिंदर कुमार, प्रो. बल कृष्ण और डॉ. ज्योतदीप कौर ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. नेहा महाजन, डॉ. नेहा शर्मा, प्रो. पूनम कुंदन, डॉ. मतीन हफीज, डॉ. शीतू रैना, डॉ. आशा, डॉ. रीतिका रानी, डॉ. राम कृष्ण, डॉ. रिचा और डॉ. मुज्जफर सहित अन्य शिक्षकों ने सक्रिय सहयोग दिया।

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. रोमेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और दैनिक जीवन में टिकाऊ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिसमें स्वच्छ, हरित और सतत भविष्य के निर्माण का संदेश दिया गया।

उपायुक्त ने 23 मई को जिले में होने वाली मेगा पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

शोपियां, 15 मई (हि.स.)। शोपियां के उपायुक्त शिशिर गुप्ता ने आज मिनी सचिवालय शोपियां में आगामी मेगा पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक बुलाई जो 23 मई, 2026 को जिले में आयोजित होने वाली है।

बैठक के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात विनियमन, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाएं, पेयजल, बिजली, मजिस्ट्रेटों की तैनाती, बैठने की व्यवस्था, जलपान, पार्किंग सुविधाएं और कार्यक्रम के सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया और विभागों के बीच जिम्मेदारियां तय की गईं।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निकट समन्वय में काम करने और सौंपी गई जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रतिभागियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

डीसी ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यक्रम के दौरान पर्याप्त चिकित्सा दल, एम्बुलेंस और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्धारित स्थानों पर निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया और अध्यक्ष को पदयात्रा के सफल संचालन के लिए की जा रही तैयारियों और उपायों से अवगत कराया।

बैठक में एसएसपी, शोपियां, मुश्ताक अहमद चौधरी; एडीडीसी, डॉ. नासिर अहमद लोन, एडीसी, डॉ. जाकिर हुसैन फाज़, प्रिंसिपल, जीडीसी शोपियां, प्रो. तारिक अहमद, एसीआर, शकूर अहमद डार, एसडीएम, ज़ैनापोरा, बिलाल अहमद, जिला/क्षेत्रीय अधिकारी, तहसीलदार, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तिरुपति बालाजी मंदिर जम्मू में विशेष अभिषेक, देश की खुशहाली के लिए की प्रार्थना

जम्मू, 15 मई (हि.स.)। जम्मू के माजीन स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी मंदिर) में शुक्रवार को विशेष अभिषेक समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता गौरव कपूर, दिव्या कपूर, राजू जंड्याल, मंदिर निरीक्षक साई कृष्णा और किरण ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। हर शुक्रवार को भगवान वेंकटेश्वर का विशेष अभिषेक किया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

गौरव कपूर ने कहा कि जम्मू में तिरुपति बालाजी मंदिर की स्थापना लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के माध्यम से जम्मू के लोग दक्षिण भारत की संस्कृति और परंपराओं को करीब से देख पा रहे हैं। उन्होंने लोगों से मंदिर में आकर दर्शन करने की अपील करते हुए कहा कि यह मंदिर आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा। दिव्या कपूर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिवालिक पहाड़ियों के बीच स्थित यह मंदिर बेहद दिव्य और शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर नहीं जा सकते, वे जम्मू के इस मंदिर में आकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। मंदिर निरीक्षक साई कृष्णा ने कहा कि आगामी अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू आने वाले श्रद्धालुओं को भी तिरुपति बालाजी मंदिर लाया जाना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौत

बडगाम, 15 मई(हि.स.)। शुक्रवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के बीरवाह इलाके में हयातपोरा मेन लिंक के पास एक सड़क दुर्घटना में एक युवा मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान बीरवाह के गोंडीपोरा निवासी हारिस मजीद के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना मोटरसाइकिल के नियंत्रण से बाहर हो जाने के बाद हुई जिसके परिणामस्वरूप सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों ने घायल युवक को इलाज के लिए उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) बीरवाह पहुंचाया।

लेह में पिपराहवा में बुद्ध के अवशेषों को 14 दिवसीय प्रदर्शनी के बाद भावपूर्ण विदाई दी गई

लेह, 15 मई (हि.स.)। लद्दाख में 14 दिवसीय भव्य प्रदर्शनी के समापन के बाद शुक्रवार को लेह हवाई अड्डे पर भगवान बुद्ध के पवित्र पिपराहवा अवशेषों को भावनात्मक विदाई दी गई। इस दौरान 1 लाख 18 हजार से अधिक भक्तों ने पवित्र अवशेषों को नमन किया। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना विदाई समारोह में शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने कहा कि पवित्र दिनों ने लद्दाख को प्रार्थना, करुणा और आध्यात्मिक जागृति की भूमि में बदल दिया। उन्होंने कहा कि मठों से लेकर दूरदराज के गांवों तक और पहाड़ी इलाकों से लेकर भीड़भाड़ वाले बाजारों तक पूरा लद्दाख भक्ति, शांति और श्रद्धा से गूंज रहा था। सक्सेना ने आशा व्यक्त की कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं सीमाओं और मतभेदों से परे मानवता को एकजुट करना जारी रखेंगी और दुनिया भर में शांति, करुणा, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देंगी। उन्होंने कहा कि मैं इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनके समर्पण और अथक प्रयासों ने इसे एक बड़ी सफलता दिलाई। प्रदर्शनी का समापन गुरुवार को चोगलामसर के धर्म केंद्र में अवशेषों को अंतिम सम्मान देने के लिए हजारों भक्तों के इकट्ठा होने के साथ हुआ। अप्रेल 29 को लेह में पवित्र अवशेषों के आगमन ने एक भावनात्मक प्रतिक्रिया पैदा की थी जिसमें हजारों निवासी पारंपरिक पोशाक पहने हुए अवशेषों का स्वागत करने के लिए लेह हवाई अड्डे से जिवेतसल तक की सड़कों पर कतार में खड़े थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लेह के जिवेतसल में 2569वीं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए अवशेषों का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया था। शाह ने उद्घाटन समारोह के दौरान लद्दाख में दो दिन बिताए थे। प्रदर्शनी में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू, श्रीलंका और थाईलैंड के राजदूत, संसद सदस्य, वरिष्ठ बौद्ध नेता, भिक्षु, विद्वान और अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

बर्फ हटाने के बाद एसएसजी रोड दोतरफा यातायात के लिए खोला गया

श्रीनगर, 15 मई (हि.स.)। कश्मीर के संभागीय आयुक्त ने बर्फ हटाने के कार्यों के बाद मध्यम और भारी मोटर वाहनों (एचएमवी) के दो-तरफा यातायात के लिए श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी (एसएसजी) रोड को फिर से खोलने की घोषणा की है।

संभागीय आयुक्त कश्मीर के कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार सख्त सुरक्षा दिशानिर्देशों और मौसम संबंधी स्थितियों के अधीन सड़क को 15 मई, 2026 से खुला घोषित कर दिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि गांदरबल, द्रास और कारगिल के जिला प्रशासन वाहनों की आवाजाही की अनुमति देने और यातायात का समय तय करने से पहले दैनिक आधार पर मौसम संबंधी सलाह की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों ने ट्रैफिक पुलिस ग्रामीण कश्मीर को सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए सोनमर्ग में एक ट्रैफिक चेक-पोस्ट स्थापित करने का निर्देश दिया है जबकि फंसे हुए वाहनों की सहायता के लिए रिकवरी वैन राजमार्ग के ऊपरी हिस्सों पर तैनात रहेंगी। प्रशासन ने एसएसजी रोड पर यात्रा करने वाले वाहनों के लिए एंटी-स्किड चेन लगाना भी अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि सोनमर्ग में उचित वजन के बाद केवल निर्धारित वजन सीमा के भीतर के वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। आदेश में आगे कहा गया है कि समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए गांदरबल, द्रास और कारगिल में यातायात, सिविल, पुलिस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागों के अधिकारियों वाले संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग को एसएएसई के साथ समन्वय करने और सभी संबंधित एजेंसियों को अग्रिम रूप से हिमस्खलन की चेतावनी जारी करने के लिए कहा गया है।

डीसी डोडा ने पीएम-एसवाईएम योजना की समीक्षा की, अधिकारियों को पंजीकरण अभियान तेज करने के निर्देश

डोडा, 15 मई। उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल ने आज डीसी कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में बैठक की अध्यक्षता कर प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में योजना के अंतर्गत पंजीकरण बढ़ाने और जिले के पात्र लाभार्थियों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

उपायुक्त ने पंजीकरण प्रगति, जागरूकता गतिविधियों, विभागीय समन्वय, निगरानी तंत्र तथा योजना से संबंधित डेटा संग्रह की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पंचायत, ब्लॉक और तहसील स्तर पर जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए ताकि अधिकतम पात्र लाभार्थियों जैसे मजदूरों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, चालकों, कारीगरों, कृषि श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों और अन्य असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को योजना से जोड़ा जा सके।

उन्होंने श्रम विभाग को घरेलू श्रमिकों तथा निर्माण श्रमिकों के आंकड़ों का सही संग्रह और सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जबकि कृषि विभाग को कृषि श्रमिकों का विस्तृत डेटा उपलब्ध कराने को कहा ताकि प्रभावी पंजीकरण सुनिश्चित हो सके।

उपायुक्त ने नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी और अन्य विभागों को भी नागरिक कर्मचारियों तथा पात्र अस्थायी कर्मचारियों का पीएम-एसवाईएम योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट), फील्ड कर्मचारियों और विभागीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय पर जोर दिया ताकि योजना का सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में विशेष जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विभिन्न विभागों के लक्ष्यों और पंजीकरण मानकों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, उत्तरी रेलवे, जम्मू-तवी निम्नलिखित कार्य हेतु Single Packet system के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :-

निविदा सूचना संख्या	**17-E-C-TRD-TS-SVDK-2026**
कार्य का नाम	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा (SVDK) स्टेशन पर अतिरिक्त ट्रिप शेड की स्थापना के संबंध में 25 केवी OHE कार्य का डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग।
कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1,26,75,276.04
कार्य अवधि	12 माह
धरोहर राशि	रु. 2,53,500.00
ई-निविदाएँ अपलोड करने एवं खुलने की तिथि एवं समय	निविदा ireps की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** दिनांक 23.05.2026 से 06.06.2026 पर 14.00 बजे तक अपलोड करनी होगी एवं उसी दिन 14.00 बजे के बाद खोली जाएगी।
विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज	निविदा सूचना ireps की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 16.05.2026 से उपलब्ध रहेंगे एवं निविदा दस्तावेज दिनांक 23.05.2026 से 06.06.2026 बजे 14.00 अपलोडिंग तक के लिए उपलब्ध रहेंगे। ई-निविदा के माध्यम से भाग लेने के इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना पंजीकरण कराएं, जिसके लिए उन्हें आईटी अधिनियम-2000 के तहत सीसीए द्वारा जारी क्लास-3 डिजिटल प्रमाणपत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं किया गया है) प्राप्त करना होगा। उपरोक्त निविदा के संबंध में अन्य सभी शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। केवल ई-निविदाएं स्वीकार की जाएंगी और किसी अन्य रूप में प्रस्तुत निविदाएं संक्षेप में खारिज कर दी जाएंगी। विस्तृत सूचना को उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

सं. 17-E-C-TRD-TS-SVDK-2026 Dated : 15.05.2026 1633/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू में 16 मई को मनाई जाएगी श्री शनिदेव जयंती

जम्मू, 15 मई (हि.स.)। जम्मू में श्री शनिदेव जयंती 16 मई, शनिवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई जाएगी। इस संबंध में श्री कैलख ज्योतिष एविम वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि ज्येष्ठ अमावस्या तिथि सूर्योदय व्यापिनी होने के कारण इस वर्ष शनिदेव जयंती 16 मई को ही मनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि नवग्रहों में श्री शनिदेव को सबसे शक्तिशाली और न्यायप्रिय ग्रह माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शनिदेव भगवान सूर्य और माता छाया के पुत्र हैं तथा वे कर्म, न्याय, सेवा और व्यवसाय के कारक ग्रह माने जाते हैं। महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 16 मई को सुबह 05:11 बजे प्रारंभ होकर रात्रि 01 बजे समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि शनिदेव जयंती पर पूजा-अर्चना, व्रत और दान करने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभावों में कमी आती है। वर्तमान में कुंभ, मीन और मेष राशियों पर साढ़ेसाती तथा सिंह और धनु राशियों पर शनि की ढैय्या प्रभावी है।

नटरंग ने मनाया 44वां स्थापना दिवस, रंगकर्मियों को किया सम्मानित

जम्मू, 15 मई (हि.स.)। जम्मू के अभिनव थिएटर में शुक्रवार को नटरंग का 44वां स्थापना दिवस भव्य सांस्कृतिक समारोह के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में कला और रंगमंच से जुड़े अनेक कलाकारों एवं रंगकर्मियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. देवांश यादव थे।

इस अवसर पर बलवंत ठाकुर ने नटरंग के 43 वर्षों के संघर्ष, उपलब्धियों और सांस्कृतिक यात्रा को विस्तार से साझा किया। उन्होंने कहा कि यदि नटरंग नहीं होता तो डोगरी रंगमंच और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय पहचान नहीं मिल पाती। उन्होंने बताया कि नटरंग ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व कर इतिहास रचा था और डोगरी भाषा को वैश्विक मंच तक पहुंचाया।

बलवंत ठाकुर ने कहा कि पिछले 43 वर्षों में नटरंग ने 7600 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए और 385 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय थिएटर एवं सांस्कृतिक समारोहों में भाग लिया। उन्होंने बताया कि संस्था ने रूस, जर्मनी, ब्रिटेन, सिंगापुर, तुर्की, पोलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, यूएई सहित कई देशों में जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि नटरंग ने चिल्ड्रन थिएटर, थिएटर लैब, संडे थिएटर, थिएटर रिपर्टरी और बड़े सांस्कृतिक आयोजनों जैसी पहल के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक गतिविधियों में नई ऊर्जा भर दी। वर्ष 2023 में जी-20 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व कर नटरंग ने वैश्विक स्तर पर सराहना हासिल की।

कार्यक्रम में अरविंद आनंद, संजीव लूथरा, सूरज सिंह, विजय भट्ट, नीरज कांत, अनिल टिक्कू, संजीव गुप्ता, पंकज शर्मा, सुभाष जम्वाल, विक्रांत शर्मा, सुमीत शर्मा, मोहम्मद यासीन, राहुल सिंह, पवन वर्मा, मीनाक्षी भगत, शिवम सिंह, कननप्रीत कौर, आदेश धर, मिताली सर्मल, बृजेश अवतार शर्मा और अन्य कलाकारों को सम्मानित किया गया। बलवंत ठाकुर ने कहा कि नटरंग अब जम्मू को अंतरराष्ट्रीय थिएटर और परफॉर्मिंग आर्ट्स हब बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके तहत जम्मू में अत्याधुनिक थिएटर कैंपस, स्टूडियो थिएटर, रिसोर्स सेंटर और बच्चों के सांस्कृतिक परिसर की स्थापना की योजना पर काम किया जा रहा है।

सीमा क्षेत्रों में भाजपा का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जम्मू, 15 मई (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बाली भगत ने शुक्रवार को आरएस पुरा-अर्निया क्षेत्र के चंगिया पंचायत में आयोजित बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट प्रशिक्षण शिविर को संबोधित किया। यह शिविर अर्निया मंडल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें सुचेतगढ़ और बिश्नाह विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ संगठनात्मक नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करना, संगठनात्मक समन्वय बढ़ाना तथा कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क और पार्टी कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए प्रशिक्षित करना था। शिविर के विभिन्न सत्रों में बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क, वैचारिक प्रशिक्षण, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सीमा क्षेत्रों में भाजपा की पकड़ मजबूत करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

अपने संबोधन में बाली भगत ने कहा कि अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता ही भारतीय जनता पार्टी की वास्तविक ताकत हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक संस्कृति ही उसे देशभर में जनता से जोड़े हुए है।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को जनसमस्याओं को समझने और सरकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र हमेशा भाजपा और केंद्र सरकार की प्राथमिकता रहे हैं तथा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास, सुरक्षा और लोगों के कल्याण के लिए व्यापक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, संपर्क, सामाजिक कल्याण और सीमा गांवों के विकास में हुए कार्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। बाली भगत ने सुचेतगढ़ और बिश्नाह क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ निरंतर जुड़े रहने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को सरकार और आम जनता के बीच सेतु की भूमिका निभानी चाहिए ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कार्यक्रम के अंत में संगठनात्मक रणनीतियों, जनसंपर्क अभियानों और सीमा क्षेत्रों में पार्टी इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

संपादकीय

ड्रग माफिया घेरे में

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने की उम्मीद को हकीकत में बदल दिया है, क्योंकि 100 दिवसीय अभियान के पहले 30 दिन नशे के खिलाफ लड़ाई में काफी प्रभावशाली साबित हुए हैं। अभी भी जम्मू-कश्मीर में नशे के खतरे से मुकाबले के लिए दो महीने शेष हैं, जो पर्याप्त से अधिक प्रतीत होते हैं, क्योंकि पहले ही नशे के खिलाफ लड़ाई ने मजबूत आधार बना लिया है और इसके परिणाम उत्साहजनक हैं।

उपराज्यपाल ने स्वयं जानकारी साझा की है कि नशा मुक्त भारत अभियान के एक महीने के दौरान जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल 730 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद आपस में जुड़े हुए थे और एक ही सांप के दो सिर की तरह काम कर रहे थे। एलजी सिन्हा ने कई मंचों पर यह मुद्दा उठाया है कि नशीले पदार्थों से होने वाला पैसा आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, जिससे नशे के खिलाफ लड़ाई एक महत्वपूर्ण सुरक्षा प्राथमिकता बन गई है।

कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि पिछले 32 दिनों से जारी सख्त कार्रवाई ने ड्रग नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं, परिसंपत्तियां कुर्क की गई हैं और 15 ड्रग तस्करों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की गई है। निश्चित रूप से, नशा मुक्त अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें जम्मू-कश्मीर के विभिन्न वर्गों के लोग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

निश्चित तौर पर, एलजी सिन्हा का प्रशासन इस अभियान की ऐसी रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रशंसा का पात्र है कि अवैध नशे के कारोबार में शामिल लोग अब छिपने के लिए जगह तलाश रहे हैं, क्योंकि प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर में इस अपराध के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है। एक और बड़ा मुद्दा, जिस पर केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए, वह है सीमा पार से होने वाली ड्रग तस्करी पर रोक लगाना, क्योंकि इस नेटवर्क को तोड़ना क्षेत्र में आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है। नशीले पदार्थों के कारोबार से होने वाली कमाई का व्यापक रूप से शांति भंग करने के लिए उपयोग किया जाता है और इस पूरे षड्यंत्र में पाकिस्तान मुख्य दोषी है।

चूंकि इस नशा विरोधी अभियान के अभी 67 दिन बाकी हैं, इसलिए लोगों की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं, क्योंकि इस पहल के एक महीने बाद ही इसके परिणाम चौंकाने वाले रहे हैं।

यह आवश्यक है कि सभी हितधारक, विशेष रूप से आम जनता, 100 दिवसीय अभियान समाप्त होने के बाद भी इस अभियान की गति को बनाए रखें, क्योंकि गलत तत्वों को फिर से अपना अवैध कारोबार शुरू करने देना उचित नहीं होगा। इसके अलावा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अभियान के दौरान ड्रग सप्लाई और तस्करी के मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ उच्च स्तर की सजा सुनिश्चित हो।

शिक्षा और परीक्षा- साख बहाल करने का सवाल

-गिरीश्वर मिश्र

सरकार और आम जनता सबको यह आशा थी कि प्रोफेशनल दृष्टि से काम करने वाली एनटीए परीक्षा की व्यवस्था में जमीनी परिवर्तन ला सकेगी। यानी अखिल भारतीय स्वरूप वाली यह संस्था प्रवेश परीक्षाओं का काम राष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष, विश्वसनीय, त्वरित या समय पर और स्तरीय ढंग से संपादित करेगी। परीक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कटिबद्ध सरकार को इस संस्था से बड़ी आशाएँ थीं। अब जिस तरह परीक्षा संचालन में लगातार चूक हो रही है उससे कई सवाल पैदा हो रहे हैं। परीक्षा की शुचिता और मानकों को बनाये रखने की जिम्मेदारी से एनटीए किसी भी तरह नहीं मुकर सकता। पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं के चलते एनटीए का यह प्रयोग और उसकी कार्य प्रणाली अब संदेह के घेरे में आ रहे हैं।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा यानी 'नीट' में पेपर लीक की ताजा घटना ने एक बार फिर पूरे देश, खास तौर पर युवा और किशोर वर्ग को झकझोर दिया है। देशभर के लाखों परीक्षार्थियों के वर्षों के परिश्रम और उनकी खुद और परिवार वालों की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फिर गया। बड़े परिश्रम और अच्छे खासे पैसे लगा कर कोचिंग आदि से तैयारी कर परीक्षा की दहलीज पर पहुंचने के बाद कुछ थोड़े से धनलोलुप आपराधिक तत्वों की करतूत ने युवा वर्ग को बड़ा निराश किया। वे अब कुंठा और अनिश्चय के दौर में पहुँच रहे हैं। पर यह घटना किसी भी तरह आकस्मिक नहीं कही जा सकती क्योंकि पिछली परीक्षा में हुई नीट पेपर लीक की सीबीआई जांच अभी खत्म नहीं हुई है। वह कब पूरी होगी और उसका क्या हश्र होगा किसी को नहीं मालूम। अर्थात् यह तो नहीं कहा जा सकता कि सरकारी तंत्र को इस तरह की आशंका का कोई अंदेशा न रहा हो। तब भी परीक्षा की एजेंसी सजग नहीं हुई और जरूरी एहतियात बरतने में कोताही हुई और उसका परिणाम सामने है। यह समाज के प्रति ग़ैर ज़िम्मेदारी भरा अक्षम्य अपराध है। अनंत कालीन जाँच बिठाकर चीज़ों को मुल्तबी न रख इस घटना की जिम्मेदारी तय कर अविलंब उचित कारवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि प्रवेश-परीक्षा की पहले से चली आ रही पुरानी व्यवस्था को सुधारने के लिए एनडीए की सरकार द्वारा वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर की एक स्वायत्त व्यवस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' (एनटीए) को स्थापित करने का निर्णय लिया गया। परीक्षाओं के प्रकार और परीक्षार्थियों की निरंतर बढ़ती संख्या के चलते यह सुधार बहुत जरूरी था। एनटीए का उद्देश्य रखा गया था कि उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली एक मानक व्यवस्था को भारत में प्रतिष्ठित किया जाय। युवा प्रधान देश में परीक्षा की विकराल होती जा रही चुनौती के लिए इस पहल को रामबाण जैसा समझा गया। विकसित भारत के लिए योग्य मानव संसाधन तैयार करने में इस एजेंसी की बड़ी भूमिका है। यह सोच कर एनटीए के संचालन के लिए एक आईएएस स्तर का डीजी, अध्यक्ष, डाइरेक्टर, ज्वाइंट डायरेक्टर आदि के साथ उच्चस्तरीय प्रबंधकीय अमला तैयार हुआ। सारी व्यवस्था की देखरेख के लिए एनटीए की अपनी प्रबंध समिति का भी प्रावधान किया गया जिसे पूरी तरह से अधिकार संपन्न बनाया गया।

सरकार और आम जनता सबको यह आशा थी कि प्रोफेशनल दृष्टि से काम करने वाली एनटीए परीक्षा की व्यवस्था में जमीनी परिवर्तन ला सकेगी। यानी अखिल भारतीय स्वरूप वाली यह संस्था प्रवेश परीक्षाओं का काम राष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष, विश्वसनीय, त्वरित या समय पर और स्तरीय ढंग से संपादित करेगी। परीक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कटिबद्ध सरकार को इस संस्था से बड़ी आशाएँ थीं। अब जिस तरह परीक्षा संचालन में लगातार चूक हो रही है उससे कई सवाल पैदा हो रहे हैं। परीक्षा की शुचिता और मानकों को बनाये रखने की जिम्मेदारी से एनटीए किसी भी तरह नहीं मुकर सकता। पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं के चलते एनटीए का यह प्रयोग और उसकी कार्य प्रणाली अब संदेह के घेरे में आ रहे हैं। शायद एनटीए को पूरी तैयारी के साथ अमल में लाने का कम भी अभी पूरा नहीं हुआ है।

स्मरणीय है कि एनटीए की व्यवस्था के पहले प्रवेश परीक्षाओं का विकेंद्रीकरण था और उच्च शिक्षा की संस्थाएं अपने स्तर पर परीक्षा कराती थीं और उनकी अपनी जिम्मेदारी बनती थी। वे परीक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में रुचि भी लेती थीं क्योंकि उसके साथ उन संस्थाओं की निजी साख भी जुड़ी रहती थी । शिक्षा और परीक्षा का निकट संबंध रहता था। अब ये संस्थाएं उदासीन रहती हैं और बाहर से लादी जाने वाली आरोपित व्यवस्था से उनका बहुत कम लगाव रहता है। दूसरी ओर धीरे-धीरे सभी प्रवेश परीक्षाओं को एनटीए को सुपुर्द करते जाने की प्रथा भी चल पड़ी है। ऐसी हालत में उनके काम का दायरा भी अब बहुत विस्तृत हो चुका है जो संभवतः उनकी अपनी क्षमता से बाहर जा रहा है।

यह देश का दुर्भाग्य है कि आज के माहौल में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में किसी न किसी तरह सेंध लगा कर परीक्षा-परिणाम को प्रभावित कर जैसे-तैसे जबरदस्ती अपने पक्ष में करने-कराने के मामले लोगों को अब चौकाते नहीं हैं। चूँकि सीटें कम होती हैं और अभ्यर्थी बहुत ज्यादा इसलिए प्रवेश के लिए मारामारी मची रहती है। परीक्षा के पेपर लीक की घटनाएँ कई तरह की परीक्षाओं में पिछले दशकों में पहले भी सामने आ चुकी हैं। यदि इस घटना को अपराध के रूप में देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनसे जुड़े अपराधियों पर उन मामलों में क़ानूनी झमेले कुछ ऐसे चलते हैं कि समय पर कोई ठोस कार्रवाई ही नहीं हो पाती है। इस तरह के ज्यादातर मामलों में सबूत के अभाव में अपराधियों को दंडित करना लगभग असंभव होता रहा है। वाइरस सरीखी तेजी से फैलती इन घटनाओं के तार भी जगह-जगह से जुड़े होते हैं। आसानी से धन कमाना ही इसके मूल में होता है और उसके अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष लाभार्थी अनेक होते हैं।

इस तरह की घटना यह तथ्य भी सामने लाती है कि मुख्यधारा की औपचारिक शिक्षा तेजी से अपनी साख खोती जा रही है। शिक्षा के व्यापारीकरण का कई रूप ले रहा है। इसके ही अंग के रूप में कोचिंग का महामारी जैसा फैलता विशाल धंधा भी बदस्तूर जारी है जिसकी आज एक बड़ी भारी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। अनुमान है कि जेईई, नेट तथा नीट आदि विभिन्न परीक्षाओं की कोचिंग के बाज़ार की क़ीमत इस समय अट्ठावन हजार करोड़ रुपयों की है। यह नफे का व्यापार एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था का रूप ले चुका है। अनुमान यह भी है कि लगभग 95 प्रतिशत स्कूली बच्चे इसमें शामिल हो कर परीक्षाओं की तैयारी में लगे हुए हैं। संस्थाओं में नियमित औपचारिक शिक्षा की जगह कोचिंग द्वारा शिक्षा की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। कोटा, दिल्ली, पुणे और पटना जैसे शहर आज कोचिंग के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। अब स्कूली बच्चों के माता-पिता कोचिंग को एक अनिवार्य इन्वेस्टमेंट मानने लगे हैं। शिक्षा का यह यथार्थ विद्यालयों में चल रही औपचारिक शिक्षा के खोखलेपन की पुष्टि करता है।

इन सबका सम्मिलित परिणाम यह है कि पेपर लीक करने और नक़ल कराने जैसी घटनाएँ कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस तरह की चेष्टा पर लगाम लगा कर कम करने के उपायों का कोई असरदार फल नहीं दिखता। सच्चाई यही है कि ऐसी वारदात देश के कई कोनों में होती रही हैं। इसमें विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं शामिल होती रहीं हैं और उनका दायरा लगातार बढ़ता गया है । दुस्साहस, बेईमानी, और तिकड़म की सहायता से लोग अपनी सफलता को सुनिश्चित करने का नायाब नुस्खा तैयार करने में लगे रहते हैं। पढ़ाई से अधिक परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए शॉर्टकट तरीकों को पहचानने में अब लोग अधिक मन लगाते हैं। वैसे भी सामाजिक परिवेश में परिश्रम और योग्यता का होना न होना अब ज्यादा महत्व नहीं रखता। अब लोग मानने लगे हैं कि योग्यता, चरित्र और कार्य कुशलता जैसे सद्गुण परीक्षाओं में सफलता और नौकरी पाकर नियुक्ति हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं होते। उसके लिए योग्यता के कुछ अतिरिक्त उद्योग करना पड़ता है।

शैक्षिक परिसर की साख घट रही है। इंटर, बीए/बीएससी और एमए/एमएससी की औपचारिक पढ़ाई और उसकी डिग्री पर अब किसी का भरोसा नहीं रहा। अगली कक्षा में स्वाभाविक प्रवेश संभव नहीं होता है। उसके लिए भी परीक्षा देनी होती है। इंटर के बाद स्नातक परीक्षा में प्रवेश के लिए एनटीए की राष्ट्रीय परीक्षा के नंबर निर्णायक होते हैं। पढ़ाई और ज्ञान की जगह परीक्षा में पाए जाने वाले अंक ही काम आते हैं। लगातार बढ़ती बेरोजगारी के वर्तमान दौर में अवसरों की कमी के चलते प्रतिस्पर्धी छात्रों पर सफलता पाने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। परीक्षाओं में सफलता पाना कठिन हो रहा है और हमारी शिक्षा परीक्षान्मुखी होती जा रही है, इतनी कि ज्ञानार्जन हाशिये पर जा रहा है। सुभीते के लिए बहुउत्तरीय प्रश्न (एमसीक्यू) के सहारे यांत्रिक परीक्षा का बोलबाला हो रहा है। इसका दुखद पक्ष यह भी है कि यह पद्धति सोच-विचार की जगह रटंत शिक्षा को और मजबूत कर रही है। इसके चलते उत्सुकता और खोजबीन की जगह दुहराव और ग़ैर सर्जनात्मक रुचि जो प्रश्रय मिल रहा है। शिक्षा और परीक्षा दोनों की साख जोखिम में है। नई शिक्षा नीति की आंख इस पर है पर जरूरी परिवर्तन दूर की कौड़ी लगती है। युवा वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी सुधार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

सेंट स्टीफंस: राष्ट्राध्यक्षों और दिग्गजों का कॉलेज कैसे बना सर्वश्रेष्ठ

-विवेक शुक्ला

दिल्ली के चांदनी चौक के किनारी बाजार में 1 फरवरी 1881 में जब सेंट स्टीफंस कॉलेज की नींव रखी गई, तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि यह छोटा-सा संस्थान भारत का सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज बन जाएगा। उस दिन सैमुअल स्कॉट एलनट इसके पहले प्रिंसिपल बने। एक साधारण शुरुआत के साथ चला यह सफर आज 147 वर्ष पूरे कर चुका है। इस लंबे अंतराल में कॉलेज को पहली बार एक महिला प्रिंसिपल मिली है। इनका नाम है सुजैन एलियास।

सेंट स्टीफंस कॉलेज न केवल संस्थान के इतिहास में एक मील का पत्थर है बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। सेंट स्टीफंस कॉलेज ने हमेशा दूरदर्शी, मेहनती और समर्पित प्रिंसिपलों का नेतृत्व पाया है। इनके मार्गदर्शन में कॉलेज ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की बल्कि राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद, पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उल-हक जैसे राष्ट्राध्यक्षों सहित देश-विदेश के हर क्षेत्र में प्रभावशाली व्यक्तित्व तैयार किए। कॉलेज की यह विरासत आज भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

19वीं शताब्दी के अंत में दिल्ली उच्च शिक्षा के लिए उपेक्षित शहर था। एलनट ने दो किराए के कमरों में कॉलेज की शुरुआत की। शुरू में मात्र पांच छात्र और तीन शिक्षक थे। लेकिन एलनट की दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने सिर्फ पढ़ाई पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया बल्कि गरीब, कमजोर और पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। कॉलेज को पंजाब विश्वविद्यालय से जोड़ा गया, जिससे इसका शैक्षणिक आधार मजबूत हुआ।

एलनट का योगदान केवल प्रशासनिक नहीं था। वे छात्रों के समग्र विकास के पक्षधर थे। उनकी मेहनत से छात्र संख्या तेजी से बढ़ी और संस्थान की नींव पक्की हुई। 1898 में उन्होंने प्रिंसिपल का पद छोड़ दिया, लेकिन उनका प्रभाव आज भी महसूस किया जाता है। हर वर्ष 7 दिसंबर को उनके निधन दिवस को 'फाउंडर्स डे' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन कॉलेज समुदाय उनके योगदान को याद करता है और नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। वे थे पुराण पुरुषसेंट स्टीफंस कॉलेज के इतिहास में सुशील कुमार रुद्रा एक पुराणपुरुष के समान हैं। 1906 से 1923 तक वे कॉलेज के प्रिंसिपल रहे और पहले भारतीय प्रिंसिपल बने। उस दौर में जब स्टाफ में अधिकांश अंग्रेज थे, एक भारतीय को इस पद पर नियुक्त करना स्वयं में एक क्रांतिकारी कदम था। रुद्रा महात्मा गांधी और दीनबंधु सी.एफ. एंड्रयूज के घनिष्ठ मित्र थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। 13 अप्रैल 1915 को गांधीजी पहली बार दिल्ली आए तो रुद्रा के निमंत्रण पर ही। गांधी दंपति उस समय कश्मीरी गेट स्थित रुद्रा के घर में ठहरे थे। आज उस इमारत में दिल्ली चुनाव आयोग का कार्यालय है। रुद्रा छात्रों के बीच 'बारासाहिब' के नाम से प्रसिद्ध थे। उन्होंने कॉलेज में नाइट स्कूल शुरू किया ताकि कर्मचारियों के बच्चे भी शिक्षा से वंचित न रहें। वे खेलों के प्रेमी भी थे। दिल्ली जिला क्रिकेट संघ के संस्थापकों में शामिल रुद्रा ने खेल को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया। 1923 में रिटायरमेंट के बाद 1925 में उनका निधन हो गया। उनकी स्मृति में हर वर्ष 12 फरवरी को 'रुद्रा डिनर' का आयोजन किया जाता है। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के प्रभारी ब्रदर सोलोमन जॉर्ज के अनुसार, 1877 में स्थापित ब्रदरहुड ऑफ दि एसेंशन ऑफ क्राइस्ट (जिसका बाद में नाम दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी पड़ा) आज भी कॉलेज का संचालन करती है।

देश के बंटवारे के बाद दिल्ली लाखों शरणार्थियों की आमद का गवाह बनी। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में स्थित दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस के आसपास शरणार्थी परिवार बसने लगे थे। एक दिन सेंट स्टीफंस के प्रिंसिपल प्रो. डगलस राजाराम और उनकी पत्नी नॉर्थ कैंपस के बाहर खड़े थे। उन्होंने कुछ बच्चे गमले तोड़ते देखे। पूछने पर बच्चों ने कहा, 卐यहाँ स्कूल है ही नहीं।卐

यह जवाब राजाराम को झकझोर गया। डीयू में उनकी अच्छी पहुंच का फायदा उठाते हुए उन्होंने तुरंत मौरिस नगर में एक छोटी जगह पर स्कूल शुरू कराया। वह स्कूल पिछले वर्ष अपनी 75वीं वर्षगांठ मना चुका है और अब बड़े कैंपस में संचालित हो रहा है। राजाराम स्वयं सेंट स्टीफंस के छात्र रह चुके थे। वे 1945 से 1960 तक कॉलेज के प्रिंसिपल रहे। उनके नेतृत्व में कॉलेज ने विभाजन के बाद की चुनौतियों का सामना किया और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा। एलनट ने नींव रखी, रुद्रा ने भारतीय स्वरूप दिया और राजाराम ने इसे मजबूत किया। इन तीन प्रिंसिपलों को सेंट स्टीफंस की आत्मा कहा जा सकता है। इनके अलावा भी अनेक प्रिंसिपलों ने कॉलेज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज जब पहली महिला प्रिंसिपल कॉलेज की बागडोर संभाल रही हैं, तो यह विरासत को नई दिशा देने का अवसर है नई प्रिंसिपल सुजैन एलियास से अपेक्षा की जाती है कि वे शैक्षणिक उत्कृष्टता, समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी को और मजबूत करें। कॉलेज की 145 वर्ष से अधिक की यात्रा साबित करती है कि शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है।

आज सेंट स्टीफंस न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश का गौरव है। यहां पढ़ने वाले छात्र न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करते हैं बल्कि मूल्यों, नैतिकता और नेतृत्व कौशल से लैस होकर बाहर निकलते हैं। पहली महिला प्रिंसिपल के नेतृत्व में कॉलेज नई पीढ़ी को प्रेरित करते हुए अपनी शताब्दी की विरासत को और समृद्ध करेगा।

यह बदलाव सिर्फ नाम का नहीं, बल्कि सोच का भी है। 1881 की उस साधारण शुरुआत से लेकर आज की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था तक का सफर दिखाता है कि समर्पण, दूरदृष्टि और निरंतरता से कोई भी संस्थान ऊंचाइयों को छू सकता है। सेंट स्टीफंस की नई प्रिंसिपल से पूरे देश को उम्मीद है कि वे इस गौरवशाली परंपरा को नई ऊर्जा और समावेशी दृष्टिकोण के साथ आगे ले जाएंगी।

अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री की सात सूत्री पहल क्यों जरूरी?

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

जब से संघर्ष शुरू हुआ है, दुनिया में अफरातफरी मची हुई है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से स्थिति और भी बिगड़ गई है, जिससे सप्लाई चेन में दिक्कतें आ गई हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई कम हो गई है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। कई देशों में पेट्रोल, डीज़ल और खाद की कमी के कारण हालात खराब हो गए हैं, जिसका असर आम लोगों के साथ-साथ व्यापार और उद्योग पर भी पड़ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ी हैं, जिससे आम लोगों और सरकार, दोनों पर दबाव बढ़ गया है। हालाँकि, भारत सरकार इस संकट को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से संभाल रही है, फिर भी हमें भविष्य में ऐसी ही किसी तबाही से बचने के लिए विचार करना चाहिए और ज़रूरी कदम उठाने चाहिए।

किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा रिजर्व आवश्यक है। यह देश को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है। यह देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने की क्षमता को दर्शाता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अमरीकी डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, यह हमारे मामले में रुपये, स्थानीय मुद्रा की स्थिरता में योगदान देता है। आरबीआई भारतीय रुपया के मूल्य पर नज़र रखता है और यदि यह गिरता है तो यह मुद्रा स्थिर रखने के लिए कुछ डॉलर बेचता है। अंतरराष्ट्रीय ऋण आमतौर पर अमेरिकी डॉलर या यूरो जैसी मुद्राओं में बने होते हैं और एक ही मुद्रा में चुकाया जाना चाहिए। नतीजतन, विदेशी मुद्रा रिजर्व महत्वपूर्ण है या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां देश को डिफ़ॉल्ट घोषित कर सकती हैं।

यदि देश में आर्थिक उथल-पुथल है या दुनिया मंदी में है तो विदेशी मुद्रा रिजर्व एक बफर के रूप में कार्य करता है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखा जाता है। निवेशक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों में निवेश करने के इच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनका पैसा उसी मुद्रा में वापस कर दिया जाएगा जिसमें उन्होंने निवेश किया था। संक्षेप में, विदेशी मुद्रा रिजर्व आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ कठिन समय के दौरान तरलता के स्रोत के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है।

ईंधन की खपत कम करें: जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत पर इसका असर तुरंत होता है। आयात बिल बढ़ जाते हैं, रिफाइनरी के मार्जिन कम हो जाते हैं और मुद्रा कमजोर हो जाती है। वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 137 अरब डॉलर तक पहुँच गया था; यह एक ऐसा आँकड़ा है जो सभी उद्योगों में महँगाई और लॉजिस्टिक्स की लागत को प्रभावित करता है। इस बात का विश्लेषण करें कि विदेशी मुद्रा भंडार पर कितना दबाव पड़ता है। ईंधन बचाने के लिए हमें सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, ट्रेन, बस, या कार पूलिंग का उपयोग करना चाहिए।

आम नागरिकों के लिए, इसका अर्थ है परिवहन के बढ़े हुए किराए और वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतें। रिफाइनरियों के लिए इसका अर्थ है कच्चे तेल के चयन, प्रक्रिया की दक्षता और रखरखाव की विश्वसनीयता पर लगातार ध्यान देना- ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ लागत नियंत्रण में इंजीनियरिंग की सीधी भूमिका होती है।

भारत जैसे विशाल राष्ट्र के लिए, ऊर्जा आपूर्ति की दीर्घकालिक रणनीति स्वदेशी संसाधनों पर आधारित होनी चाहिए और इसमें विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के इष्टतम संतुलन का उपयोग आवश्यक है। बड़े पैमाने पर कोयले की खपत से जुड़ी पर्यावरणीय कठिनाइयों के अलावा यह भी रेखांकित करना महत्वपूर्ण है कि कोयले के भंडार सीमित हैं। सौर ऊर्जा और अन्य गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनका उपयोग यथासंभव अधिकतम सीमा तक किया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य तेल पर अत्यधिक निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करना है, न कि इसका उपयोग पूरी तरह से बंद करना। एक-एक कदम बढ़ाते हुए, भारत स्मार्ट आयात और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को मिलाकर एक अधिक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है।

सोने की खरीदी: भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक सोना खरीदता है। हर साल, देश 700 से 800 टन सोने का उपयोग करता है; इसकी मुख्य वजह घरों, शादियों, त्योहारों, निवेश के उद्देश्यों और ग्रामीण बचत से आने वाली भारी माँग है। हालाँकि, घरेलू उत्पादन प्रतिवर्ष केवल 1 से 2 टन तक सीमित होने के कारण भारत अपनी सोने की 90त्न से अधिक आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है। वर्ष 2025 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ा। क्या हम एक वर्ष के लिए सोने की खरीद टाल सकते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया है?

उर्वरक का इस्तेमाल: वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 15 अरब डॉलर मूल्य के उर्वरकों का आयात किया। इसका असर न सिर्फ़ विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है, बल्कि पर्यावरण और किसानों पर भी पड़ता है; इसलिए हमें भारतीय खेती की ओर लौटना चाहिए, जो आर्थिक रूप से ज़रूरी भी है और पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए फ़ायदेमंद भी।

खाने का तेल: 2025 में भारत ने लगभग 19 अरब डॉलर का खाने का तेल आयात किया। प्रधानमंत्री ने इसमें 10त्न की कटौती का आग्रह किया, जो स्वास्थ्य के लिए भी फ़ायदेमंद होगा।

विदेश यात्रा: 2025 में 3.27 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जिस पर 15 से 16 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च हुए। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर और दबाव पड़ा; इसके बजाय हमें अपने ही देश में यात्रा करनी चाहिए, जहाँ सुंदर पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक विरासत स्थल और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग (शादी के लिए किसी खास जगह पर जाना) सिर्फ़ भारत में ही होनी चाहिए।

घर से काम: ईंधन की खपत कम करने का एक और तरीका है घर से काम करने की उस प्रथा को फिर से शुरू करना, जिसे हमने कोरोना महामारी के दौरान अपनाया था। वर्चुअल मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधाएँ पहले से ही मौजूद हैं। उम्मीद है कि उद्योग जगत प्रधानमंत्री के इस आग्रह को गंभीरता से लेगा।

भारत के विकास के लिए आत्मनिर्भरता क्यों आवश्यक है?

पिछली सरकारों द्वारा स्थापित नियमों और संस्थानों ने विनिर्माण या सेवा क्षेत्र शुरू करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए कठिन परिस्थितियाँ और मानसिक पीड़ा उत्पन्न की, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में काफी कमजोर रही। टाटा, अंबानी, अदानी, महिंद्रा और कई अन्य जैसे हमारे अग्रदूतों के दृढ़ संकल्प और लगन के कारण हम कठिन परिस्थितियों में भी अपनी क्षमताओं के प्रति भारतीयों में गर्व और विश्वास जगा पाए। स्थिति बदल रही है, और इन उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है और मेक इन इंडिया उत्पादों के साथ मजबूत भावनात्मक जुड़ाव के साथ इनका प्रचार किया जा रहा है। भारत निर्मित उत्पादों के खरीदार और विक्रेता के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी, जिसके परिणामस्वरूप अधिक रोजगार सृजित होंगे। इससे हम मूल रूप से शुद्ध निर्यातक बन जाएंगे।

बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत आने वाले वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर बड़ी भूमिका निभाएगा, साथ ही सभी के लाभ के लिए आध्यात्मिक और समग्र विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाएगा और पर्यावरण को संतुलित और पोषित करेगा। वर्तमान सरकार की व्यापार-समर्थक नीतियां, साथ ही कुशल और जानकार कार्यबल, प्रत्येक क्षेत्र को मजबूत करेंगे और अर्थव्यवस्था को चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने 卐वोकल फॉर लोकल卐 की घोषणा करते हुए 卐आत्मनिर्भर भारत卐 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न उत्पादों के स्वदेशी विनिर्माण में सहायता करके हम अब भारत की आत्मनिर्भरता की सही राह पर अग्रसर हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हीरो हॉकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण शुरू, भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण प्रक्रिया की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। खिलाड़ी नीलामी सितंबर 2026 में आयोजित की जाएगी, जबकि पंजीकरण 15 मई 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू हो चुका है। 2024-25 सीजन में लीग की सफल वापसी और 2025-26 संस्करण की लोकप्रियता के बाद आगामी सीजन को और अधिक भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारत समेत दुनिया के कई प्रमुख हॉकी देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हॉकी इंडिया के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण खुले हैं। यह लीग विश्व हॉकी में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का बड़ा मंच प्रदान करती है।

पुरुष वर्ग के पात्र देश

भारत, नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, स्पेन, आयरलैंड, फ्रांस, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया और जापान।

महिला वर्ग के पात्र देश

भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, स्पेन, इंग्लैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चिली, अमेरिका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और जापान।

पीजीए चैंपियनशिप 2026: स्कॉटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर

न्यूटाउन स्क्वेयर (पेनसिल्वेनिया)। पीजीए चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में दुनिया के नंबर-1 गोल्फर स्कॉटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहे। एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शुक्रवार को सभी खिलाड़ियों ने 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया। शेफलर के साथ मार्टिन कायमर, एल्ड्रिच पोटगिटर, स्टीफन जैगर, मिन वू ली, रियो हिसात्सुने और एलेक्स स्मॉली भी संयुक्त बढ़त पर हैं। किसी मेजर चैंपियनशिप में पहले दौर के बाद इतनी बड़ी संयुक्त बढ़त 1969 के बाद पहली बार देखने को मिली है। कठिन मौसम, तेज हवाओं और ढलानदार ग्रीन्स के कारण खिलाड़ियों को काफी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहले दौर में 48 खिलाड़ी लीड से केवल तीन शॉट पीछे रहे, जिससे प्रतियोगिता बेहद खुली नजर आ रही है। स्कॉटी शेफलर ने अपने प्रदर्शन के दौरान दो लंबे बर्डी पुट लगाए और 17वें होल पर राहत मिलने का फायदा उठाकर पार बचाया। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'जब छह और खिलाड़ी आपके साथ बराबरी पर हों, तो क्या इसे सच में बढ़त कहा जा सकता है? '

फीफा विश्व कप 2026: जापान की प्रारंभिक टीम घोषित, मितोमा और मिनामिनो बाहर

टोक्यो। फीफा विश्व कप 2026 के लिए जापान ने अपनी प्रारंभिक 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि टीम को बड़ा झटका तब लगा जब स्टार विंगर काओरू मितोमा चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए। इसके अलावा अनुभवी फॉरवर्ड ताकुमी मिनामिनो को भी टीम में जगह नहीं मिली है। जापान के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने शुक्रवार को टोक्यो में टीम की घोषणा करते हुए बताया कि मितोमा हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाएंगे। 28 वर्षीय मितोमा को पिछले सप्ताह प्रीमियर लीग में ब्राइटन की वॉल्व्स पर 3-0 की जीत के दौरान चोट लगी थी। कोच मोरियासु ने कहा, 'मेडिकल टीम का आकलन है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके पूरी तरह फिट होने की संभावना नहीं है। ' वहीं, मोनाको के फॉरवर्ड ताकुमी मिनामिनो भी टीम से बाहर हैं। दिसंबर में उनके बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट लगी थी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स, स्वीडन और ट्यूनीशिया के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को टेक्सास के अर्लिंगटन में नीदरलैंड्स के खिलाफ करेगी। मितोमा जापान के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने मार्च में वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में विजयी गोल दागा था। इसके अलावा 2022 विश्व कप में जर्मनी और स्पेन के खिलाफ जापान की ऐतिहासिक जीत में भी उनकी बड़ी भूमिका रही थी।

सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया: प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फिरोजा के खिलाफ ड्रॉ खेला

रोमानिया। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया के पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में ड्रॉ खेला। ग्रैंड चेस टूर के पहले क्लासिकल टूर्नामेंट में खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा। काले मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने शुरुआती चरण में क्वीन गैंबिट डिक्लाइंड ओपनिंग अपनाई। शुरुआती दौर में कई छोटे मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन प्रज्ञानानंद ने जटिल स्थिति बनाने का फैसला किया। उन्होंने मजबूत सेंटर के बदले फिरोजा को क्वीन साइड पर जुड़े हुए पास्ड प्यादे लेने दिए। मध्य खेल में फिरोजा ने शानदार चालें चलीं और भारतीय खिलाड़ी के किंग साइड पर दबाव बना दिया। हालांकि स्थिति इतनी जटिल थी कि दोनों खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ चालें ढूंढना आसान नहीं था। 35वीं चाल में हुई एक गलती के बाद मुकाबला रूक और प्यादों के एंडगेम में पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद एक प्यादा पीछे होने के बावजूद ड्रॉ बचाने में सफल रहे। अंततः 60 चालों तक चले मुकाबले का परिणाम ड्रॉ रहा। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मैक्सिम वाशिये-लग्राव और नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के बीच भी मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

आईपीएल 2026: हार्दिक पांड्या के बचाव में उतरे अश्विन, बोले- सिर्फ उन पर इल्जाम लगाना ठीक नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूट चुका है। हालांकि, भारत के पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि एमआई के खराब प्रदर्शन के लिए सिर्फ हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। एमआई ने इस सीजन अब तक कुल 12 मुकाबलों में खेले हैं, जिसमें से टीम को महज 4 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है। अश्विन ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' संग बात करते हुए कहा, 'मैं इस साल उनकी कप्तानी का बिल्कुल भी रिव्यू नहीं करूंगा। सच कहूं तो, जब आपका सीजन ऐसा जाता है, तो कप्तान पर इल्जाम लगाना काफी गलत है। कोई नहीं आगे आया।

टीम खेलने में नाकाम रही और हार्दिक खुद पर इल्जाम ले लें, आप उनसे कुछ ज्यादा ही करने के लिए कह रहे हैं।' अश्विन ने आगे कहा, 'वह गुजरात टाइटन्स में थे। दो शानदार सीजन खेले (एक में खिताब जीता और एक में रनर-अप)। साफ है कि एक लीडर के तौर पर उन्होंने वहां कुछ सही किया। इसके बाद जब वह मुंबई इंडियंस में लौटे, तो उन्हें काफी कुछ झेलना पड़ा। रोहित शर्मा जैसे मौजूदा भारतीय कप्तान, व्हाइट-बॉल कप्तान की जगह लेना आसान नहीं है। आईपीएल में पांच खिताब। रोहित ने एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है और हार्दिक आकर उनकी जगह ले लेते हैं। देश में आपके बहुत सारे फैन हैं। आजकल सोशल मीडिया पर टिके रहने के लिए आपको मोटी चमड़ी रखनी पड़ती है। 'अश्विन ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीम की नाकामियों के लिए सिर्फ कप्तानी ही जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं उनकी कप्तानी को ज्यादा जज नहीं करूंगा क्योंकि गेंदबाजी ने भी हर तरफ रन लुटाए हैं। हर बार जब कोई ओवर छह या सात रन के लिए फेंका जाता है, तो 15 रन का ओवर आता है। एक कप्तान के तौर पर आप क्या करते हैं? और हां, उन्होंने कुछ ऐसे फैसले लिए हैं जिन पर बहस हो सकती है। कप्तानी इस बात का नतीजा है कि आपकी टीम आपको कैसा दिखाती है। इसी वजह से मेरा मानना ??है कि जब आपका सीज़न अच्छा हो, तो कप्तान को ज्यादा क्रेडिट न दें। जब आपका सीजन खराब हो, तो उसका ठीकरा कप्तान पर न फोड़ें। कोच के साथ भी ऐसा ही है; कोच खिलाड़ियों को बाहर भेजता है। इसी कारण आप उन्हें ज्यादा दोष नहीं दे सकते।'

आईपीएल : चोटिल हार्दिक पांड्या केकेआर के खिलाफ मैच में कर सकते हैं वापसी-शार्दुल ठाकुर

एजेंसी

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया है कि वह चोट के कारण पिछले तीन मुकाबलों में नहीं खेल सके। शार्दुल ने उम्मीद जताई कि हार्दिक कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके थे। उस मैच में जसप्रीत बुमराह ने मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी। इससे पहले सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर रहे थे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल हैं, इसलिए वह पिछले कुछ मैचों में टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके।शार्दुल ने आगे कहा, 'वह रायपुर गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। फिलहाल वह मुंबई में ट्रेनिंग कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि कोलकाता में वापसी करेंगे तथा ईडन गार्डन्स में 20 मई को होने वाले मैच में खेलेंगे। ऐसे खिलाड़ियों की कमी हमेशा महसूस होती है।' उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर बहुत सारी बातें चलती रहती हैं। कुछ सही होती हैं और कुछ गलत। लेकिन धर्मशाला नहीं जाने का फैसला टीम मैनेजमेंट का था।' पीठ में ऐंठन (बैक स्पैज्म) की समस्या के चलते हार्दिक ने 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबला मिस किया था। इसके बाद वह टीम के साथ रायपुर तो गए, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैदान पर नहीं उतर सके। हार्दिक पांड्या के लिए यह सीजन कप्तान और खिलाड़ी दोनों रूपों में निराशाजनक रहा है।

साल 2030 तक ब्राजील फुटबॉल टीम के हेड कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

एजेंसी

रियो डी जनेरियो । कार्लो एंसेलोटी ब्राजील के नेशनल टीम के हेड कोच पद पर साल 2030 तक बने रहेंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को 2030 तक बढ़ा दिया है। 66 वर्षीय एंसेलोटी ने मई 2025 में ब्राजील के हेड कोच का पद संभाला था और टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई कराया था, जिसका आयोजन 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होना है। उनकी अगुवाई में ब्राजील ने 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 5 में जीत, तो 3 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, दो मैच ड्रॉ रहे हैं। एंसेलोटी ने सीबीएफ की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, 'मैं एक साल पहले ब्राजील आया था। पहले मिनट से ही, मैं समझ गया था कि इस देश के लिए फुटबॉल का क्या मतलब है। एक साल से हम ब्राजीलियन नेशनल टीम को दुनिया में टॉप पर वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, सीबीएफ और मैं अभी और जीत, समय और काम

चाहते हैं। ' एंसेलोटी ने आगे कहा, 'हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम अगले चार साल तक साथ रहेंगे। हम 2030 वर्ल्ड कप तक साथ रहने वाले हैं। मैं सीबीएफ को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ब्राजील, इतने अच्छे स्वागत और इतने प्यार के लिए धन्यवाद।' पद संभालने क के बाद से एंसेलोटी ने पांच जीत, दो ड्रॉ और तीन हार देखी हैं।

सीबीएफ प्रेसिडेंट समीर जौद ने इस विस्तार को एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा, 'कार्लो एंसेलोटी का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ना पांच बार की वर्ल्ड कप जीतने वाली नेशनल टीम को एक मजबूत, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी संरचना देने के हमारे प्रतिबद्धता में एक और मजबूत कदम है। ' ब्राजील वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का आगाज 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी।

फुटबॉल के सबसे अनुभवी दिमागों में से एक एंसेलोटी का ब्राजील कोच के तौर पर यह उनका पहला ग्लोबल फाइनल होगा। उन्होंने पहले भी इस टूर्नामेंट में एक खिलाड़ी और इटली के कोचिंग स्टाफ के सदस्य के तौर पर हिस्सा लिया था। एंसेलोटी वर्ल्ड कप में ब्राजील को कोचिंग देने वाले पहले विदेशी भी होंगे। सोमवार को एंसेलोटी वर्ल्ड कप के लिए ब्राजील के 26 खिलाड़ियों की शुरुआती टीम की घोषणा करेंगे।

इटैलियन ओपन: इगा स्वियातेक को हराकर एलिना स्वितोलिना ने बनाई फाइनल में जगह

एजेंसी

रोम । दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने रोमांचक इटैलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में तीन बार की विजेता इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना 2017-18 में लगातार दो ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार फाइनल मैच में पहुंची हैं। खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना का सामना कोको गॉफ से होगा। स्वितोलिना तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी, तो गॉफ की निगाहें पहली बार इस ट्रॉफी को उठाने पर होंगी। इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ी सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने की कोशिश भी करेंगी। स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं, और वह अपने इस शानदार रिकॉर्ड को फाइनल में भी कायम रखना चाहेंगी। एलिना स्वितोलिना ने स्वियातेक को 2 घंटे 14 मिनट में हराने के बाद कहा, 'इतने सालों बाद फिर से फाइनल में होना बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में

शानदार प्रदर्शन करके इस तरीके से फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है। ' स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में 16 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें फाइनल सेट में उनके सभी पांच ब्रेक पॉइंट शामिल थे। उन्होंने इस सीजन में किसी भी डब्ल्यूटीए मेन ड्रॉ में किसी भी खिलाड़ी के मुकाबले सबसे ज्यादा (59) ब्रेक पॉइंट का सामना किया है, जबकि 44 बचाए हैं। हालांकि, इसमें टीम और ग्रैंड स्लैम इवेंट शामिल नहीं हैं। गॉफ के खिलाफ एलिना स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड 3-2 का रहा है। स्वितोलिना ने गॉफ को ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर दुबई में हराया था। डब्ल्यूटीए के अनुसार, स्वितोलिना और गॉफ की उम्र में 9 साल 182 दिन का फर्क है। यह इटैलियन ओपन के फाइनल में 1990 के बाद सबसे बड़ा उम्र का अंतर है। 1990 में मार्टिना नवरातिलोवा और मोनिका सेलेस के बीच खेले गए फाइनल में उम्र का अंतर 17 साल 45 दिन था। खास बात यह है कि गॉफ 1998-99 में वीनस विलियम्स के बाद लगातार इटैलियन ओपन फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। वह 2021-22 में इगा स्वियाटेक के बाद लगातार दो रोम फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी भी हैं।

हमारी किस्मत अब भी हमारे हाथ में, पीबीकेएस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों पर बोले ब्रैड हैडिन

एजेंसी

धर्मशाला । आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह पीबीकेएस की लगातार पांचवीं हार है। टीम को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन का कहना है कि टीम की किस्मत अभी भी उनके हाथों में ही है। पंजाब किंग्स के 12 मुकाबलों के बाद 13 प्वाइंट्स हैं और टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर काबिज है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए हैडिन ने कहा, 'इससे एक ही बात पता चली है कि हमारे पास दो मैच ही बचे हैं और हमारी किस्मत अभी हमारे हाथ में है। किसी और चीज के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। सीधी से बात यह है कि हमें अब अपने बचे हुए मैच जीतने ही होंगे।' हैडिन ने पंजाब किंग्स के बड़े टोटल बनाने की काबिलियत पर

जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह टोटल स्कोरबोर्ड पर लगाया। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन अंत के ओवरों में हमने जबरदस्त बल्लेबाजी की, जिसके बूते हम इस टोटल तक पहुंच सके।' कोच ने एमआई के बल्लेबाज तिलक वर्मा की आतिशी पारी की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमें लगा कि हम लंबे समय तक कंट्रोल में थे, लेकिन मुंबई को जीत दिलाने के लिए तिलक ने एक बेहद खास पारी खेली। तिलक की यह पारी शानदार थी और आपको इसका श्रेय देना होगा। '

हैडिन ने कैंप के माहौल और टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में आने वाले दबाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'पूरा टूर्नामेंट हर समय दबाव वाला होता है, और खासकर इस स्टेज पर। आईपीएल क्रिकेट इसी के बारे में है। आपको बड़े पलों को संभालना और दबाव झेलना आना चाहिए। नतीजा दुख दे रहा है, लेकिन इस मुकाबले से अच्छे संकेत मिले हैं। अब यह जरूरी है कि हम अच्छा जवाब दें। 'खेल के तकनीकी पहलू पर बात करते हुए हैडिन ने माना कि इस सीजन में स्कोर का स्तर काफी बदल गया है। 'हमें अपनी टीम के हर खिलाड़ी पर बहुत भरोसा है। इस टूर्नामेंट में अब आप जो देखते हैं वह जबरदस्त पावर है। यह उससे अलग है जिसकी हम आदी हैं। जहां 200 पहले बहुत अच्छा स्कोर हुआ करता था, अब यह ऐसा टोटल है जिससे टीम डरती नहीं हैं। हमें बस इस मुश्किल से बाहर निकलने का तरीका ढूंढना है और सीजन की शुरुआत में जो फॉर्म थी, उसे वापस पाना है।' पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 के अपने अगले मुकाबले में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भिड़ेगी।

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे, पीवी सिंधु बाहर

एजेंसी

बैंकॉक। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-13 से हराया। यह वर्ष 2026 में किसी भी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर प्रतियोगिता में भारतीय जोड़ी का पहला सेमीफाइनल है। मुकाबला 41 मिनट तक चला। दोनों जोड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला था, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में सात्विक-चिराग ने लगातार 10 अंक लेकर 10-0 की बढ़त बना ली थी। जापानी जोड़ी ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। दूसरे गेम में जापानी जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना मलेशिया की गोह स्जे फेई और नूर इज्जुद्दीन की तीसरी वरीय जोड़ी या स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले से होगा। वहीं महिला एकल में पीवी सिंधु का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। जापान की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची ने सिंधु को 19-21, 21-18, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 19-19 की बराबरी पर था, लेकिन सिंधु ने लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया।

पोलार्ड पर लगा मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना, 'अभद्र भाषा' का इस्तेमाल करना पड़ा महंगा

एजेंसी

मुंबई । मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच हुए मुकाबले में पोलार्ड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का दोषी पाया गया है। मैच फीस के साथ-साथ पोलार्ड के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। दरअसल, मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर में पोलार्ड चौथे अंपायर से बहस करते हुए नजर आए थे। इस दौरान पोलार्ड ने अंपायर को अपशब्द भी कहे। पोलार्ड ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 का उल्लंघन किया है, जो खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के खिलाफ मैच के

दौरान 'अभद्र भाषा' के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है। आईपीएल ने शुक्रवार को जारी किए एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल के खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है। पोलार्ड को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 को तोड़ने का दोषी पाया गया है, जो मैच के दौरान सुनाई देने वाली अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में हुई जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पोलार्ड ने अपनी गलती मानते हुए मैच रेफरी पंकज धर्माणी द्वारा सुनाई गई सजा को स्वीकार कर लिया है। ' धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीबीकेएस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 200 रन लगाए। टीम की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, एमआई ने तिलक वर्मा द्वारा खेली गई 33 गेंदों में नाबाद 75 रनों की तूफानी पारी के बूते 201 रनों के लक्ष्य को 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

सरदार सिंह और रानी ने हॉकी इंडिया की दूरदृष्टि की सराहना की, युवा खिलाड़ियों को बताया भारत का भविष्य

एजेंसी

भोपाल। भारतीय हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी सरदार सिंह और रानी ने जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के विकास और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाने के लिए हॉकी इंडिया की पहल की जमकर सराहना की। दोनों पूर्व कप्तान इस समय भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमों के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला टीमें आगामी अंडर-18 एशिया कप 2026 की तैयारियों के तहत भोपाल स्थित साई सेंटर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला खेल रही हैं। यह एशिया कप इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में आयोजित होगा।

श्रृंखला शुरू होने से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरदार सिंह और रानी ने कहा कि हॉकी इंडिया की यह पहल भारतीय हॉकी के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, 'हॉकी इंडिया की यह पहल बेहद सराहनीय है क्योंकि कम उम्र में खिलाड़ियों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यही खिलाड़ी भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। '

उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया हर स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए शानदार काम कर रही है। हर साल सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित की जा रही हैं। खिलाड़ियों को विभिन्न राज्यों में किट भी वितरित की जा रही हैं। अगर इसी तरह बुनियादी ढांचे, कोचिंग और सपोर्ट सिस्टम को बेहतर किया जाता रहा तो भारतीय हॉकी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। ' भारतीय अंडर-18 महिला टीम की कोच रानी ने भी हॉकी इंडिया की पहल की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करना चाहती हूं कि उन्होंने युवा खिलाड़ियों के लिए अंडर-18 स्तर पर इस तरह की पहल शुरू की। इससे पहले इस आयु वर्ग के खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिला था। यह उनके लिए बहुत बड़ा सीखने का अनुभव है। 'रानी ने खिलाड़ियों के शुरुआती विकास को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, 'इन लड़कियों की औसत उम्र 15 से 16 साल के बीच है। इनके सामने लंबा भविष्य है और यही खिलाड़ी 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स तथा 2032 और 2036 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं।

लगातार पांचवीं हार के बावजूद प्लेऑफ की उम्मीद बरकरार, बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे: ब्रैड हैडिन

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ हाई-स्कोरिंग मुकाबले में करीबी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने प्लेऑफ की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 200/8 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। शुरुआती झटकों के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, मुंबई इंडियंस ने आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, लेकिन टीम अब भी 13 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। मैच के बाद सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अच्छा संघर्ष दिखाया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि जिस तरह हम उस स्कोर तक पहुंचे, वह शानदार था। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन आखिर के ओवरों में हमारे बल्लेबाजों ने बेहतरीन हिटिंग की। हमें लगा था कि यह जीत दिलाने वाला स्कोर है। लंबे समय तक मैच हमारे नियंत्रण में था, लेकिन तिलक वर्मा ने बेहद खास पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी शानदार थी और उसका श्रेय उन्हें देना होगा।

पीबीकेएस को मिली लगातार पांचवीं हार, कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

एजेंसी

धर्मशाला । आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पीबीकेएस की यह लगातार पांचवीं हार है। इस हार के साथ ही कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। दरअसल, आईपीएल में बतौर कप्तान 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए सबसे अधिक मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम हो गया है। 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए अय्यर ने सातवें मैच में हार का सामना किया है। आईपीएल इतिहास में अय्यर के अलावा कोई भी कप्तान 200 प्लस के टारगेट का बचाव करते हुए पांच से ज्यादा मैच नहीं हारा है। श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में 20 ऐसे मुकाबलों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम को 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करना था। इस दौरान श्रेयस ने 12 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, तो 7 मुकाबलों

में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा है। वहीं, पंजाब किंग्स ने टी20 क्रिकेट में 10वीं बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए हार का सामना किया है।

साल 2022 से कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना नहीं किया था, लेकिन उनका यह शानदार रिकॉर्ड टूट गया। एमआई के खिलाफ बतौर कप्तान अय्यर ने 7 मुकाबलों में जीत दर्ज की। आईपीएल में एक टीम के खिलाफ लगातार सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड गौतम गंभीर के नाम है, जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 मैच जीते हैं।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 200 रन लगाए। पीबीकेएस की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 57 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई ने 17 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। हालांकि, मुंबई इंडियंस ने 201 रनों के लक्ष्य को 4 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल कर लिया। एमआई की ओर से तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि रयान रिकेल्टन ने 23 गेंदों में 48 रन बनाए। तिलक ने अपनी पारी में 6 चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, विल जैक्स ने 10 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे।

अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और आईएचजी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने 5 होटलों के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) और आईएचजी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने पांच होटलों के लिए समझौता किया है। इस साझेदारी से आईएचजी का लक्जरी लाइफ स्टाइल ब्रांड 'किम्पटन होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स' भी भारतीय बाजार में कदम रखेगा। अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एक बयान में बताया कि एएएचएल और आईएचजी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने पांच होटलों के पोर्टफोलियो के लिए समझौता किया है। इस समझौते के तहत भारत के प्रमुख हवाई अड्डों और कमर्शियल जगहों पर लगभग 1,500 कमरे जोड़े जाएंगे। इसके जरिए आईएचजी का लक्जरी लाइफ स्टाइल बुटीक ब्रांड 'किम्पटन होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स' भी भारतीय बाजार में कदम रखेगा। एएएचएल के मुताबिक एयरपोर्ट से जुड़े हॉस्पिटैलिटी और मिश्रित उपयोग विकास परियोजनाओं के तहत, जयपुर, मंगलुरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में इन होटलों का विकास किया जाएगा। कंपनी ने बयान में बताया कि इस पोर्टफ़ोलियो में जयपुर का किम्पटन होटल शामिल होगा, साथ ही अडाणी द्वारा संचालित हवाई अड्डों से जुड़ी आगामी एयरपोर्ट सिटी परियोजनाओं में हॉलिडे इन और हॉलिडे इन एक्सप्रेस की प्रॉपर्टीज़ भी शामिल होंगी। एएएचएल ने कहा कि यह समझौता भारत के एविएशन और टूरिज़्म सेक्टर में ज़बरदस्त ग्रोथ के बीच हुआ है, जहां एयरपोर्ट के आसपास होने वाले डेवलपमेंट तेजी से बड़े हॉस्पिटैलिटी और कमर्शियल हब के तौर पर उभर रहे हैं।

बजाज ने एवेंजर 160 स्ट्रीट बाइक बंद की, इसकी जगह दूसरी मोटरसाइकिल लेगी

नई दिल्ली। आटोमोबाइल मार्केट में बजाज की बाइक का अच्छा क्रेज हैं। बजाज आटो ने एवेंजर 160 स्ट्रीट बाइक को बंद कर दिया है। इसके साथ, ब्रांड ने अपनी वेबसाइट पर एवेंजर 220 Street को लिस्ट कर दिया है। Aveneger 220 Cruise पहले से ही उपलब्ध है जिसकी कीमत 1.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। बजाज आटो ने अपनी भारतीय वेबसाइट से एवेंजर 160 स्ट्रीट को हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब यह बाइक बाजार में नहीं बिकेगी। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर Avenger 220 Street को शामिल कर लिया है। इससे संकेत मिलता है कि यह बाइक जल्द ही भारत में लॉन्च होने वाली है। बजाज एवेंजर 220 Street 2020 में बंद होने के बाद अब 6 साल से भी ज्यादा समय के बाद वापसी कर रही है। यह Avenger 220 क्रूज वाले प्लैटफॉर्म पर बनी है जिसका मतलब है कि इसका इंजन भी वही है- 220cc का सिंगल-सिलिंडर, ऑयल-कूल्ड इंजन जो 8,500rpm पर 19hp की पावर और 7,000rpm पर 17.5 ठ्ठद्ध का टॉर्क जनरेट करता है। Bajaj ने 220 Street के लिए 2 कलर ऑप्शन दि हैं- एबोनी ब्लैक और कॉकटेल वाइन रेड। इस बाइक में 13 लीटर का फ्यूल टैंक, 737mm की सीट हाइट, 169द्दद्ध का ग्राउंड क्लीयरेंस और 160 किलोग्राम वजन है। स्ट्रीट वेरिएंट क्रूज की तुलना में अधिक स्पोर्टी और सादगी भरा है। इसमें शहर में चलाने के लिए छोटे हैंडल बार दिए गए हैं। इसमें बड़े विंडशील्ड नहीं है और इसमें क्रोम की जगह मैट ब्लैक फिनिश का इस्तेमाल किया गया है।

मारुति डिजायर के बेस वेरिएंट को खरीदना है तो दो लाख डाउन पेमेंट दें और ले जाएं

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति की गाड़ियों की सबसे अधिक मांग है। इसको देखते हुए मारुति की ओर से काम्पेक्ट सेडान कार सेगमेंट में मारुति डिजायर को ऑफर किया जाता है। निर्माता की ओर से ऑफर की जाने वाली इस सेडान कार के बेस वेरिएंट को अगर खरीदने का मन बना रहे हैं और दो लाख रुपये की डाउन पेमेंट देने के बाद हर महीने कितने रुपये की ईएमआई देनी होगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। मारुति की ओर से डिजायर के बेस वेरिएंट के तौर पर LXI को ऑफर किया जाता है। निर्माता इस Compact Sedan Car के बेस वेरिएंट को 6.25 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवा रही है। अगर इसे दिल्ली में खरीदा जाता है तो 6.25 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के साथ ही इस पर रजिस्ट्रेशन टैक्स और आरटीओ की कीमत भी देनी होगी। इस कार को खरीदने के लिए करीब 46 हजार रुपये आरटीओ, करीब 39 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे। इसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन रोड कीमत 7.17 लाख रुपये हो जाती है।

नई पीढ़ी की किया सोनेट फिर आई नजर, बदले हुए डिज़ाइन और ज्यादा जगह के साथ होगी पेश

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बाजार में कॉम्पैक्ट स्पोर्ट्स उपयोगी वाहन श्रेणी लगातार तेजी से बढ़ रही है और इसी बीच किया अपनी लोकप्रिय सोनेट के नए अवतार की तैयारी में जुटी हुई दिखाई दे रही है। दूसरी पीढ़ी की किया सोनेट को एक बार फिर परीक्षण के दौरान देखा गया है। भारी आवरण में ढकी इस गाड़ी से कई नए डिज़ाइन संकेत सामने आए हैं, जिससे साफ हो गया है कि कंपनी इस बार सोनेट को पहले से अधिक आधुनिक, प्रीमियम और तकनीक से लैस बनाने की दिशा में काम कर रही है। माना जा रहा है कि यह नई सोनेट वर्ष 2027 में भारतीय बाजार में उतारी जा सकती है। परीक्षण के दौरान दिखाई दी नई सोनेट में सबसे बड़ा बदलाव इसके अगले हिस्से में देखने को मिला। गाड़ी का अगला भाग अब पहले की तुलना में अधिक चौड़ा और आकर्षक नजर आ रहा है।

चिराग पासवान ने लेह में पीएमएफएमई महोत्सव का उद्घाटन किया

एजेंसी

लेह। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने लेह में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिककरण योजना (पीएमएफएमई) के तहत एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। पासवान ने उद्घाटन के बाद प्रदर्शनी में लगे स्टालों का दौरा किया और लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने उनकी सफलता की कहानियों को ध्यानपूर्वक सुना और सभी को अपने प्रयासों में और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में लद्दाख में अपार संभावनाएं हैं और इसे मुख्यधारा में लाने के लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि कुछ समय पहले तक कृषि क्षेत्र का ध्यान उत्पादन पर केंद्रित था और दुर्भाग्यवश मूल्य सृजन पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए मूल्य सृजन पर अपना पूरा ध्यान दिया है और इसके परिणाम सबके सामने हैं। लद्दाख के अनूठे उत्पादों जैसे सी बकथॉर्न और खुबानी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इन दोनों उत्पादों में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की क्षमता है और इस सपने को साकार करने के लिए हमें भरपूर प्रयास करने और संसाधनों का निवेश करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया पहल का भी उल्लेख किया। चिराग ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े सभी क्षेत्रों को ऐसे मंच से जुड़ने का प्रयास करना चाहिए और इस अनुभव से लाभ उठाना चाहिए। आधुनिकीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से देशभर में विकिरण इकाइयां स्थापित की जा रही हैं और वर्तमान में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए भविष्य में ऐसे और प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने क्रेता-विक्रेता बैठकों के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी बैठकों का आयोजन अधिक बार किया जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य पीएमएफएमई योजना के लाभार्थियों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करना, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना, योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए बाजार पहुंच को मजबूत करना था। ये प्रदर्शनी लेह के उपायुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित की गई थी। इसका आयोजन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इससे पहले बैठक के दौरान, लद्दाख के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक सचिव भुबेश चौधरी और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के निदेशक मोहम्मद अशरफ भट ने केंद्रीय मंत्री को लद्दाख के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तृत विवरण दिया। इस बैठक में खाद्य एवं खाद्य प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव डी प्रवीण और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन की ओर से लेह के उपायुक्त रोमिला सिंह डोंक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

देश में एलपीजी की आपूर्ति सुचारू, कहीं से आपूर्ति ठप होने की रिपोर्ट नहींः केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद पूरे देश में पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी के आयात पर असर पड़ा है। हालांकि, भारत सरकार ने कई प्रभावी कदम उठाए हैं, जिसके चलते हमारे पास पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) का उत्पादन भी बढ़ा दिया गया है। किसी भी रिटेल आउटलेट या एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर स्टॉक खत्म होने (ड्राई-आउट) जैसी कोई स्थिति सामने नहीं आई है। शर्मा ने बताया कि सप्लाई चेन में रुकावटों को कम करने के लिए कमर्शियल एलपीजी की बहाली लगभग 70 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि इस साल मार्च से अब तक सात लाख से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि लगभग सात लाख 50 हजार नए ग्राहकों ने पीएनजी कनेक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में लगभग एक करोड़ 40 लाख एलपीजी बुकिंग मिलीं, जिनमें से लगभग एक करोड़ 39 लाख बुकिंग पूरी कर दी गई हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदमः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है। यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के

दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। यदि लंबे समय तक ईंधन कीमतों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित रखा जाए, तो इससे सरकारी वित्तीय व्यवस्था और तेल विपणन कंपनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए ईंधन कीमतों को संतुलित रखने का प्रयास किया है तथा समय-समय पर राहत भी प्रदान की है। वर्तमान परिस्थितियों में सीमित मूल्य वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम है। उन्होंने स्वीकार किया कि ईंधन कीमतों में वृद्धि का प्रभाव परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स लागत पर पड़ सकता है, लेकिन कठिन वैश्विक परिस्थितियों में नागरिकों और व्यापार जगत दोनों को व्यापक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे निर्णयों का समर्थन करना चाहिए।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फॉर्म

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फॉर्म जारी कर दिए हैं। इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं।

विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का ऑडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं।आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन

फॉर्मों में कुछ बदलाव किए हैं। अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं। अब करदाता अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं।

क्या होता है आईटीआर

आयकर रिटर्न (आईटीआर) एक फॉर्म के माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं। इसे प्रत्येक वित्त वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है। वर्तमान में 7 अलग-अलग आईटीआर फॉर्म्स हैं (आईटीआर-1 से आईटीआर-7) फॉर्म करदाता की श्रेणी, आय की प्रकृति और इनकम के स्तर के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है। इस समय आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटीज लाइव हुए हैं। आईटीआर-1 फॉर्म को सरल या सहज भी कहते हैं। यह फॉर्म वेतनभोगियों के लिए होता है। आईटीआर-4 फॉर्म छोटे कारोबारी या प्रोफेशनल के लिए होता है। अब यह ई-फाइलिंग पोर्टल पर टैक्सपेयर्स के लिए उपलब्ध है।

सरकार समुद्री खाद्य क्षेत्र के एमएसएमई के लिए पीएलआई योजना लाने पर करेगी विचार : वाणिज्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के मत्स्य विभाग समुद्री खाद्य क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उत्पादन-से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना बनाने की संभावनाओं पर विचार करेगा। इसी पहल के तहत 5-6 जून को विशाखापत्तनम में दोनों मंत्रालयों के द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया जाएगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने समुद्री खाद्य क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने भारत के समुद्री खाद्य क्षेत्र की विकास गति को तेज करने और देश की वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत बनाने के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य भारत के समुद्री खाद्य क्षेत्र के विकास को गति देने और देश की वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को

मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा (रोडमैप) पर विचार-विमर्श करना था। मंत्रालय ने कहा, ''मत्स्य विभाग, समुद्री खाद्य क्षेत्र के एमएसएमई के लिए एक विशेष पीएलआई योजना विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार करेगा।'' वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाना, निर्यात-उन्मुख बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देना, शोध एवं विकास में सहायता करना और मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना है।

मंत्रालय ने बताया कि प्रस्तावित रूपरेखा का उद्देश्य भारत के कुल समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात में मूल्यवर्धित उत्पादों की हिस्सेदारी को बढ़ाना है, और साथ ही निर्यातकों की संख्या को मौजूदा के लगभग 1,200 से बढ़ाकर आने वाले वर्षों में 5,000 तक पहुंचाना है।

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में वाणिज्य विभाग, मत्स्य पालन विभाग, एमपीएफआई, डीपीआईआईटी, एमपीईडीए और ईआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में निर्यात संवर्धन गतिविधियों को पीएमएमएसवाई और उससे जुड़ी अन्य योजनाओं के उद्देश्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उल्लेखनीय है कि घरेलू विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार पहले ही 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना लागू कर चुकी है, जिसके लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इन क्षेत्रों में रेफ्रिजरेटर, एसी जैसे 'व्हाइट गुड्स', इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स शामिल हैं।

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 790 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक-भू राजनीतिक संकट के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 790 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 277 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 789.74 अंक यानी 1.06 फीसदी की उछाल के साथ 75,398.72 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान मजबूत शुरुआती की लेकिन जल्द ही यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया। हालांकि, दूरसंचार और बैंकिंग के शेयरों में खरीदारी लौटने से यह एक समय 1,000 अंक से ज्यादा चढ़कर 75,681.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया था।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 277 अंक यानी 1.18 फीसदी की बढ़त के साथ 23,689.60 के स्तर पर बंद हुआ है। इस तरह शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख कायम रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल में सर्वाधिक पांच फीसदी से अधिक की तेजी आई। कारोबार के दौरान दूरसंचार, दवा और निजी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी आने से शेयर बाजार को मजबूती मिली। वहीं, आईटी के शेयरों में आज बिकवाली रही। इसके अलावा चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि हांगकांग का हैंगसेंग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजार दोपहर के कारोबार में तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में भारतीय रुपया आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और कमजोर होकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.73 (अस्थायी) पर रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले घरेलू शेयर बाजार में बढ़त रही। सेंसेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 74,609 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 33 अंक की तेजी के साथ 23,413 के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोना के विपरीत चांदी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है।घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,99,900 रुपये प्रति

किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,614.17 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज अंतराष्ट्रीय बाजार में 87.04 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ईडी ने गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ पीएमएलए मामले में 526 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन मामले में तलाशी अभियान पूरा करने के बाद गेम्सक्राफ्ट कंपनी के 526 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही 3.5 करोड़ रुपये के सोने के आभूषणों के साथ 11 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने जारी एक बयान में बताया कि बेंगलुरु रमीकल्चर ऐप से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में मेसर्स गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ सात मई को तलाशी अभियान शुरू किया था, जो छापेमारी 13 मई को समाप्त हुई। इस दौरान उसके निदेशकों एव मुख्य कर्मचारियों के कार्यालय और आवासीय परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अभियान के दौरान बैंक जमा राशि, बांड और सावधि जमा जैसी कुल 526.49 करोड़ रुपये की चल संपत्तियों पर रोक लगा दी गई, जबकि 3.5 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 11 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। छापेमारी के बाद ईडी ने कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया था। ईडी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, 2.30 किलोग्राम वज़न का बुलियन/सोना/हीरे के आभूषण (जिनकी कीमत लगभग 3.50 करोड़ रुपये है) और 11 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई। साथ ही बैंक बैलेंस, पेमेंट गेटवे बैलेंस, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और फिक्स्ड डिपॉज़िट सहित लगभग 526.49 करोड़ रुपये की चल संपत्तियों को फ्रीज किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि कथित धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित कई पुलिस प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और अन्य संबंधित कंपनियों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया।

यूरोप भी चखेगा भारत का स्वादः बाजारों में भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों का दबदबा

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत अब यूरोपीय संघ के देशों में अपने समुद्री उत्पादों का निर्यात बिना किसी बाधा के जारी रख सकेगा। यूरोपीय संघ ने अपनी नई और संशोधित मसौदा सूची में भारत का नाम शामिल कर लिया है, जिससे भारतीय व्यापारियों और मछुआरों के लिए विदेशी कमाई का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। पहले इस बात का डर था कि भारत को इस सूची से बाहर रखा जा सकता है, लेकिन अब सरकार के प्रयासों के बाद भारत ने अपनी जगह पक्की कर ली है।

यूरोपीय संघ दुनिया के उन बाजारों में से एक है जहाँ खाने-पीने की चीजों को लेकर बहुत सख्त नियम होते हैं। भारत पहले उन देशों की सूची में शामिल नहीं था जिन्हें सितंबर 2026 से पशु मूल के उत्पादों के निर्यात की अनुमति मिलने वाली थी। यदि भारत इस सूची में नहीं आता, तो भारतीय मछली और अन्य समुद्री उत्पादों का यूरोप जाना बंद हो सकता था। लेकिन अब भारत ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि हमारे यहाँ से भेजे जाने वाले उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और यूरोपीय संघ के सभी कड़े मानकों को पूरा करते हैं, जिसके बाद हमें यह हरी झंडी मिल गई है। भारत को इस सूची में शामिल करने के पीछे सबसे बड़ी वजह स्वास्थ्य सुरक्षा है।

स्टॉक मार्केट में सिम्का एडवर्टाइजिंग की जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। एडवर्टाइजिंग सर्विस देने वाली कंपनी सिम्का एडवर्टाइजिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 183 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 156 के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 148.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इसके बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये शेयर उछल कर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर का अपर सर्किट भी ब्रेक हो गया। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 162.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 20.05 रुपये यानी 10.96 प्रतिशत के नुकसान में थे। सिम्का एडवर्टाइजिंग का 58.04 करोड़ रुपये का आईपीओ आठ से 12 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 80.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 101.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 81.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 70.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,71,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी एलईडी स्क्रीन खरीदने और उनका इन्स्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.78 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 9.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 10.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 11.96 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 49.31 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 75.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 78.16 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। कंपनी पर फिलहाल कोई कर्ज नहीं है। इसके पहले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर 28 लाख रुपये का कर्ज था, जिसे अब पूरी तरह से चुका दिया गया है। इसके पहले के दो वित्त वर्ष यानी 2023-24 और 2022-23 में भी कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 1.57 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.34 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 17.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 19.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमोर्टाइजेशन) 2022-23 में 2.11 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.72 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 13.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

बलोचिस्तान में सीटीडी के अधिकारी दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फर्जी मुठभेड़ करने के कुख्यात आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी विद्रोह की आग में सुलग रहे बलोचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले की तहसील सुई से दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए हैं। इनमें एक लेवी अधिकारी भी शामिल है। उसे हाल ही में पुलिस विभाग में स्थानांतरित किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार जबरन उठाए गए पुलिस अधिकारी की पहचान सिराज उर्फ बागा पुत्र बाना बुगती के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की पहचान गुल मोहम्मद, पुत्र जार खान हमजानी बुगती के रूप में हुई है। गुल मोहम्मद शिक्षा विभाग में चौकीदार है। इस वर्ष डेरा बुगती में ऐसी घटनाओं में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, 13 मई को हाजी अताउल्लाह के 17 वर्षीय पुत्र शाहब बलोच को दोपहर करीब दो बजे वाशक जिले के नाग इलाके में स्थित उसके घर से उठा लिया गया। वह मैट्रिक का छात्र है। 11 मई को मछुआरे अमीर बख्श के 18 वर्षीय पुत्र याह्या बलोच को ग्वादर के जिउनी पनवान इलाके में स्थित उसके घर से जबरन ले जाया गया। पाकिस्तान में सीटीडी को उर्दू में महकमा अंसदाद दहशतगर्दी कहा जाता है। सीटीडी पाकिस्तान की प्रांतीय पुलिस सेवा के अंतर्गत काम करता है। इसका मुख्य काम आतंकवाद से निपटना है। इसे असीमित अधिकार प्राप्त हैं। बलोचिस्तान में लोगों को जबरन गायब किया जाना गंभीर मुद्दा है।

नेपाल में संविधान संशोधन पर बैठक का, जेन जी नेताओं ने किया बहिष्कार

काठमांडू। नेपाल के जेनजी आन्दोलन के नेताओं ने सरकार द्वारा आहूत संविधान संशोधन संबंधी चर्चा का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनका आरोप है कि सरकार उनके साथ पहले हुए समझौते को लागू करने की बजाए एकतरफा एवं अपारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत संविधान संशोधन बहसपत्र तैयार करने वाली कार्यदल ने जेन जी अगुवा को पत्र भेजकर उन्हें संविधान संशोधन विषय पर होने वाली चर्चा में आमंत्रित किया था। यहां एक संयुक्त वक्तव्य में जारी कर 25 आंदोलनकारियों और अधिकारवादियों ने स्पष्ट किया कि वे उस चर्चा में भाग नहीं लेंगे। आंदोलनकारियों ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए चर्चा का बहिष्कार करने के कई कारण बताए। वक्तव्य में कहा गया, 'आंदोलन में शामिल होने के कारण आज भी सैकड़ों साथी झूठे मुकदमों का सामना कर रहे हैं, जबकि शहीद परिवार और घायल लोग न्याय की प्रतीक्षा में हैं।'

सरकारी दफ्तरों में मितव्ययिता अपनाने के लिए पीएमओ ने जारी किया निर्देश

काठमांडू। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सरकारी दफ्तरों में अत्यावश्यक जरूरत वाली वस्तुओं को छोड़कर नए सामान की खरीद न करने और सार्वजनिक खर्च में मितव्ययिता अपनाने का निर्देश दिया है। पीएमओ ने सभी मंत्रालयों, आयोगों, सचिवालयों, कार्यालयों, निकायों, मुख्यमंत्रियों एवं मंत्रिपरिषद कार्यालयों तथा सभी प्रदेश सरकारों को अत्यावश्यक वस्तुओं को छोड़कर अन्य सामान न खरीदने के लिए निर्देश जारी किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की सुशासन, भ्रष्टाचार नियन्त्रण तथा कर्मचारी पृष्ठपोषण शाखा के अधिकारी सूर्य बहादुर बस्नेत ने यह जानकारी दी। पीएमओ के निर्देश में कहा गया है, 'कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध है कि अत्यावश्यक स्थिति को छोड़कर नए सामान की खरीद न करें तथा कार्यालय में पहले से मौजूद सामग्री, अलमारी, उपकरण, फर्नीचर और वाहनों को चालू अवस्था में रखकर उपयोग करें और सार्वजनिक खर्च को मितव्ययी बनाएं।' पीएमओ के अनुसार शिकायतें मिली हैं कि कई स्थानों पर उपयोग में आ रहे कुर्सी, अलमारी, सोफा, कार्पेट, पर्दे, गमले, कंप्यूटर, मोबाइल, लैपटॉप आदि सामानों को बिना आवश्यकता बदला जा रहा है तथा मरम्मत के नाम पर अस्वाभाविक खर्च कर राज्य कोष पर अतिरिक्त भार डाला जा रहा है। इसी कारण सार्वजनिक खर्च में मितव्ययिता अपनाने के लिए यह परिपत्र जारी किया गया है।

नेपाल में विपक्षी नेता हर्क सांपांग ने मांगा प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दल श्रम संस्कृति पार्टी के अध्यक्ष हर्क सांपांग ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से इस्तीफे की मांग करते हुए उन पर संसद का अपमान करने और संसदीय परंपरा में गैरजिम्मेदाराना व्यवहार दिखाने का आरोप लगाया है। प्रतिनिधि सभा सदस्य सांपांग ने बयान में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री शाह ने महत्वपूर्ण संसदीय प्रक्रिया के दौरान बार-बार अनुपस्थित रहकर संघीय संसद की गरिमा को कमजोर किया है। 11 मई को जब राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पेश कर रहे थे, तब प्रधानमंत्री शाह सदन से बाहर चले गए थे। सांपांग ने कहा कि 13 मई को हुई चर्चा के दौरान भी प्रधानमंत्री अनुपस्थित रहे और जवाब देने के लिए सदन में उपस्थित नहीं हुए, जबकि वे पास के एक कार्यालय से कार्यवाही का सीधा प्रसारण देख रहे थे। सांपांग ने प्रधानमंत्री के इस व्यवहार को संसदीय मर्यादा की अवहेलना बताते हुए 'संसदीय परंपरा के इतिहास पर काला धब्बा' करार दिया। बयान में कहा गया, 'उसी संसद से निर्वाचित एक प्रधानमंत्री जनता की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था का अपमान करने के बाद भी पद पर कैसे बने रह सकते हैं?'

पीएम मोदी ने यूएई पर हमले की निंदा की, कहा- भारत शांति और स्थिरता के लिए हरसंभव मदद को तैयार

एजेंसी

अबू धाबी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की उपस्थिति में दोनों देशों ने एमओयू का आदान-प्रदान किया, जिसमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी शामिल है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि आज जिस प्रकार से आपकी वायुसेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, ये भारत के लोगों का सम्मान है। पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानी आई, आपने उन पीड़ित परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की, इसके लिए भी मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। मध्य-पूर्व में मौजूदा हालातों पर पीएम मोदी ने कहा कि

यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं। यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इन कठिन परिस्थितियों में आपने जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, ये बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने में आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों का हम अभिनंदन करते हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध की परिस्थिति का प्रभाव आज पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। भारत ने मुद्दों को सुलझाने के लिए हमेशा बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। होर्मुज स्ट्रेट को मुक्त, खुला और सुरक्षित रखना हमारी बड़ी प्राथमिकता है। इस मामले में, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है। भारत हर स्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और भविष्य में भी खड़ा रहेगा। भारत जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का अबू धाबी हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के उनके विशेष भाव के लिए धन्यवाद करता हूं। मैं ऊर्जा, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-यूएई संबंधों को और आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी बातचीत का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।''

जिनपिंग के बयान पर ताइवान का पलटवार, चीन को इलाके में असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरे पर पहुंचे हुए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान व्यापार, तकनीक समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई, जिसमें ताइवान भी एक मुद्दा रहा। शी ने कहा कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो अमेरिका और चीन के बीच टकराव देखने को मिल सकते हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ताइवान ने चीन पर इस इलाके में असुरक्षा का एकमात्र सोर्स होने का आरोप लगाया। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, ताइवान कैबिनेट प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा, 'ताइवान स्ट्रेट और हिंद-प्रशांत इलाके में असुरक्षा का एकमात्र सोर्स चीन का सैन्य खतरा है। क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिफेंस को लगातार बेहतर बनाना और असरदार संयुक्त निवारण सबसे जरूरी फैक्टर हैं।' चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि ताइवान चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे जरूरी मुद्दा है और अगर इसे गलत तरीके से हैंडल किया गया तो यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर अपना दावा करती है और उसने कसम खाई है कि अगर जरूरत पड़ी तो एक दिन वह इसे जबरदस्ती ले लेगी। शी ने कहा, 'ताइवान की आजादी और क्रॉस-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के खिलाफ हैं। ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखना चीन और अमेरिका के बीच सबसे बड़ी सामान्य बात है। 'बता दें, वैसे तो अमेरिका लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहे ताइवान के साथ मजबूत अनौपचारिक संबंध बनाए हुए है। हालांकि, यूएस ने जानबूझकर इस बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं बोला है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है।

अमेरिकी सेना का दावा-ईरान की सैन्य ताकत 90 प्रतिशत तक कमजोर, सीनेट में किया सैन्य कार्रवाई का बचाव

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका सेना ने सीनेट में एक सुनवाई के दौरान ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव किया है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट में सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई सांसदों ने बढ़ते आर्थिक और क्षेत्रीय जोखिमों को लेकर चिंता जताई है। इसी बीच, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सामने पेश होते हुए एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में सैन्य शक्ति दिखाने की ईरान की क्षमता को सफलतापूर्वक कमजोर कर दिया है। एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने सांसदों से कहा, '40 दिनों से भी कम समय में सेंटकॉम बलों ने हमारे सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर लिया। हमने ईरान की अपनी सीमाओं के बाहर शक्ति दिखाने और क्षेत्र व हमारे हितों को खतरे में डालने की क्षमता को कम कर दिया है।' कूपर ने कहा कि ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक औद्योगिक संरचना लगभग 90 प्रतिशत तक नष्ट हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि तेहरान की नौसेना शायद एक पीढ़ी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर पाएगी।

कूपर ने अपनी गवाही के दौरान कहा, 'ईरानी शासन ने क्षेत्र में आतंक फैलाया है और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति शत्रुता को अपने शासन का एक मुख्य सिद्धांत बना लिया है।' इसी बीच, रिपब्लिकन सांसदों ने प्रशासन के सैन्य अभियान का जोरदार समर्थन किया। सीनेटर रोजर विकर ने कहा कि ईरान दशकों से आतंकवाद का समर्थन करता रहा है, अमेरिकी हितों पर हमला करता रहा है और परमाणु व बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं का विकास करता रहा है।

सीनेटर टॉम कॉटन ने तर्क दिया कि ईरान अब ऑपरेशन शुरू होने से पहले की तुलना में काफी कम खतरा है। इस पर एडमिरल कूपर सहमत हुए और कहा कि तेहरान अब उस तरह के बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले नहीं कर सकता, जैसे हाल के वर्षों में देखे गए थे।

हालांकि, डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति और इस संघर्ष के दीर्घकालिक परिणामों पर लगातार सवाल उठाए। सीनेटर जैक रीड ने कहा कि ईरानी परमाणु मुद्दे का कोई विशुद्ध रूप से सैन्य समाधान नहीं है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की जीत के लिए विश्वसनीय रणनीति न होने की आलोचना की। सीनेटर टिम केन ने प्रशासन पर कूटनीति छोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने मध्य पूर्व में एक और लंबे संघर्ष के खिलाफ चेतावनी दी।

ब्रिटेन की राजनीति में हलचल : सांसद के इस्तीफे से एंडी बर्नहैम की वापसी का रास्ता साफ, कीर स्टार्मर पर बढ़ा दबाव

एजेंसी

लंदन। ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम के लिए ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद जोश सिमंस ने अपनी सीट खाली कर दी है। जोश सिमंस के इस्तीफे के बाद उनके निर्वाचन क्षेत्र पर उपचुनाव तय है, जहां से एंडी बर्नहैम चुनाव लड़ सकेंगे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एंडी बर्नहैम को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी में संभावित प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है। जोश सिमंस ने सोशल मीडिया पर शेयर किए अपने इस्तीफे में कहा कि सरकार उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए जरूरी बदलाव लाने में नाकाम रही है, इसलिए उन्होंने ऐसे नेता के लिए जगह छोड़ने का फैसला किया है, जिसके पास मौजूदा परिस्थितियों का सामना करने के लिए कट्टर सोच, ऊर्जा और जबरदस्त साहस हो। बाद में एंडी बर्नहैम ने सोशल मीडिया पर इस बात की पुष्टि की कि वह मेकरफील्ड उपचुनाव में खड़े होने के लिए लेबर पार्टी की

राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) से अनुमति का अनुरोध करेंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद का निचला सदन) में 16 साल तक सांसद रहे बर्नहैम 2017 से ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर हैं। वेस्टमिंस्टर लौटने की उनकी पिछली कोशिश को इस साल की शुरुआत में एनईसी ने रोक दिया था।ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, बर्नहैम को लेबर पार्टी के भीतर इतना समर्थन जुटाने में सक्षम माना जाता है कि वह स्टार्मर के नेतृत्व को चुनौती दे सकें। हालांकि, पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव लड़ने की पात्रता के लिए सांसद बनना एक जरूरी शर्त है। इसी बीच, पिछले हफ्ते हुए स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी की बुरी हार के बाद स्टार्मर पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ता जा रहा है। ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि 90 से अधिक लेबर सांसदों ने प्रधानमंत्री से पद छोड़ने की अपील की है, जबकि कई कैबिनेट मंत्रियों ने उनके पक्ष में एकजुटता दिखाई है। वहीं, ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने गुरुवार दोपहर को एक पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें स्टार्मर के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा और अब वह सरकार में सम्मानपूर्वक और सिद्धांतों के आधार पर नहीं रह सकते।

जिनपिंग के साथ मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा- अमेरिका और चीन ने शानदार ट्रेड डील की

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे का आज आखिरी दिन है। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के दौरे पर प्रेसिडेंट शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों शीर्ष नेताओं के बीच तकनीक, व्यापार समेत कई मुद्दों पर गंभीर बातचीत हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि बीजिंग में हुई मीटिंग के दौरान उनके और शी के बीच 'शानदार ट्रेड डील' हुई। आज ट्रंप अमेरिका वापस लौट जाएंगे। ट्रंप के वाशिंगटन के लिए रवाना होने से पहले दोनों नेताओं ने बीजिंग के झोंगनानहाई लीडरशिप कंपाउंड में द्विपक्षीय मीटिंग और लंच किया। ट्रंप और जिनपिंग गार्डन में घूमते और चाय पीते हुए नजर आए। इस ट्रिप को अविश्वसनीय दौरा बताते हुए ट्रंप ने कहा, 'इससे बहुत कुछ अच्छा हुआ है। ईरान पर अमेरिका और चीन के विचार एक जैसे हैं और दोनों

चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाए।' ट्रंप ने कहा, 'ईरान को लेकर हमारी सोच एक जैसी है। दोनों देश रणनीतिक समुद्री रास्ते के जरिए शिपिंग एक्सेस बहाल करने का समर्थन करते हैं, जिससे आम तौर पर दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल सप्लाई गुजरती है।' ट्रंप ने यह भी बताया कि शी के सितंबर में अमेरिका आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'संबंध बहुत मजबूत है और हमने सच में कुछ बहुत अच्छे काम किए हैं।' इससे पहले दोनों नेताओं ने दो घंटे से ज्यादा समय तक बंद कमरे में मीटिंग की थी, जिसमें व्यापार, ईरान और ताइवान पर चर्चा हुई। बाद में ट्रंप ने बातचीत को बहुत बढ़िया बताया। मीटिंग के बाद फॉक्स न्यूज से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि शी ने उनसे कहा कि चीन ईरान को सैन्य उपकरण नहीं देगा। ट्रंप ने इसे बड़ा बयान बताया और यह भी कहा कि शी होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने में मदद करना चाहते थे, जो ईरान से जुड़े चल रहे झगड़े के बीच असल में बंद है। चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना हुआ है।

लातविया की प्रधानमंत्री इविका सिलिना ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

रीगा। लातविया की प्रधानमंत्री इविका सिलिना ने अपने इस्तीफे की घोषणा की और इसे हालातों के मद्देनजर 'सही फैसला' करार दिया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि जब तक नए कैबिनेट मंत्रियों को मंजूरी नहीं मिल जाती, सरकार अपना काम करती रहेगी। लातविया के मीडिया हाउस एलएसएम के अनुसार, देश के राष्ट्रपति को सिलिना का इस्तीफा मिल गया है और नई सरकार बनाने का फैसला रीगा कैसल में साइमा ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान किया जाएगा। सिलिना के पद छोड़ने से वर्तमान सरकार स्वतः बुधवार को गिर गई। इसी दिन गठबंधन में शामिल दल 'प्रोग्रेसिव्स' ने सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान कर दिया था।

सिलिना ने तंज कसते हुए कहा, 'इस समय, सियासी विद्वेष और छोटी पार्टी के फायदे जिम्मेदारी से ज्यादा जरूरी हो गए हैं। रक्षा मंत्री के पद के लिए एक ताकतवर उम्मीदवार (कर्नल रायविस मेलनिस, जिन्हें सिलिना ने त्यागपत्र देने वाले प्रोग्रेसिव्स के मंत्री एंड्रिस स्प्रूड्स की जगह नॉमिनेट किया था) को देखकर, सियासी हवाबाजों ने एक सरकारी संकट को चुन लिया है। इसीलिए मैं अपने इस्तीफे की घोषणा कर रही हूं।

यह कोई आसान फैसला नहीं है, लेकिन इस हालात में यही सही है।' इससे पहले, लातविया के गृहमंत्री रिहार्ड्स कोजलोव्स्कीस (न्यू यूनिटी) ने कहा था कि सिलिना इस्तीफा देने का प्लान नहीं बना रहे हैं। हालांकि, एलएसएम की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोग्रेसिव पार्लियामेंट्री ग्रुप के लीडर, एंड्रीस सुवाजेव्स ने कहा कि अगर आज साइमा (लातवियाई पार्लियामेंट) में सिलिना के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर वोट होता है, तो सरकार गिर जाएगी। पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते, लातविया के रक्षा मंत्री एंड्रीस स्प्रूड्स ने पद छोड़ दिया था।

'बाल्टिक रणनीति को नया आकार दे रहे हैं चीन और रूस के संबंध', अमेरिकी सीनेटरों ने दी चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के वरिष्ठ सीनेटरों और राज्य विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस की युद्ध मशीन के लिए चीन का बढ़ता समर्थन बाल्टिक देशों के बीजिंग को देखने के नजरिए को तेजी से बदल रहा है। लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया अब चीन के साथ आर्थिक संबंधों को यूक्रेन युद्ध से सीधे जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के रूप में देख रहे हैं। बाल्टिक सुरक्षा पर हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी की सुनवाई के दौरान यह मुद्दा बार-बार उठा। लॉमेकर्स ने नाटो के तीन फ्रंटलाइन देशों को रूस के खतरे और यूरोप में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक बताया। बता दें कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद रूस से स्वतंत्रता हासिल करने वाले देशों को बाल्टिक देश कहा जाता है। बाल्टिक सागर के पूर्वी तट पर स्थित एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया

को बाल्टिक देश कहा जाता है। अमेरिकी विदेश विभाग के उप सहायक सचिव क्रिस्टोफर स्मिथ ने कहा कि बाल्टिक सरकारें रूस के रक्षा क्षेत्र को चीन के समर्थन की वजह से बीजिंग के साथ व्यापार और रणनीतिक संबंधों पर फिर से विचार कर रही हैं।

स्मिथ ने लॉमेकर्स से कहा, 'चीन, रूस के रक्षा औद्योगिक ढांचे के लिए लगभग 80 फीसदी डुअल यूज सामान उपलब्ध कराता है।'

उन्होंने आगे कहा कि बाल्टिक देश इससे सबक लेते हुए चीन के साथ अपने आर्थिक संबंधों को सीमित कर रहे हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पूरे यूरोप में यह चिंता बढ़ रही है कि यूक्रेन युद्ध चौथे साल में भी जारी है और चीन, रूस के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और तकनीकी लाइफलाइन बन गया है।

रैंकिंग मेंबर रिप्रेजेंटेटिव विलियम कीटिंग ने कहा कि चीन यूक्रेन संघर्ष पर गहराई से नजर बनाए हुए हैं और देख रहा है कि नाटो अपनी पूर्वी सीमा पर कैसे जवाब देता है।

कीटिंग ने कहा, 'चीन को लेकर हमारी रणनीतिक नीति उसे सीमित करने की है।' यह बयान उस सवाल के जवाब में आया, जिसमें पूछा गया था कि क्या बीजिंग ताइवान को लेकर अपनी रणनीति बनाते समय यूक्रेन और बाल्टिक देशों में हो रहे घटनाक्रमों का विश्लेषण कर रहा है।

ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता, जिनपिंग-ट्रंप इस पर सहमत : व्हाइट हाउस

एजेंसी

वाशिंगटन। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ईरान को परमाणु हथियार संपन्न होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सकारात्मक और अहम बैठक हुई। बैठक में दोनों नेताओं ने अमेरिका और चीन के बीच 'आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।' इसमें अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन के बाजार तक ज्यादा पहुंच और अमेरिकी उद्योगों में चीनी निवेश बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल रहे। बैठक के एक हिस्से में अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हुए। दोनों नेताओं ने अमेरिका में फेंटेनिल से जुड़े रसायनों

(फेंटेनिल प्रीकर्सर्स) की तस्करी रोकने की दिशा में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। इसके अलावा चीन की ओर से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। दोनों देशों ने माना कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार को सुचारु बनाए रखने के लिए इस अहम समुद्री मार्ग का खुला रहना जरूरी है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज स्ट्रेट के सैन्यीकरण का विरोध किया और इस मार्ग के इस्तेमाल पर किसी तरह का शुल्क या टोल लगाने की कोशिशों को भी गलत बताया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि चीन भविष्य में अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने में रुचि रखता है, ताकि इस समुद्री मार्ग पर अपनी निर्भरता कम की जा सके। व्हाइट हाउस ने अपने बयान में दोहराया कि अमेरिका और चीन दोनों इस बात पर एकमत हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।यह चर्चा ट्रंप के तीन दिवसीय चीन दौरे के दौरान हुई, जिसे दोनों देशों के बीच रिश्तों को नए सिरे से संतुलित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप का दावा- शी जिनपिंग ने 200 बोइंग विमानों की खरीद पर जताई सहमति

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से 200 विमानों की खरीद पर सहमति जताई है। ट्रंप ने इसे अमेरिका के लिए बड़े आर्थिक और रोजगार अवसर के रूप में पेश किया। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग ने बातचीत के दौरान 200 'बड़े विमानों' का ऑर्डर देने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि यह सौदा अमेरिकी अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

ट्रंप के मुताबिक, शुरुआत में बोइंग कंपनी 150 विमानों के ऑर्डर की उम्मीद कर रही थी, लेकिन बातचीत के बाद यह संख्या बढ़कर 200 तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि इतने बड़े ऑर्डर से अमेरिका में हजारों नौकरियों को बढ़ावा मिलेगा, खासकर एविएशन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में।हालांकि, चीन की ओर से अभी तक इस संभावित सौदे को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता कब तक अंतिम रूप लेगा और इसमें किस मॉडल के विमान शामिल होंगे। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तथा तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बावजूद दोनों देशों के बीच विमानन क्षेत्र में लंबे समय से मजबूत कारोबारी संबंध रहे हैं।

4.3 करोड़ अमेरिकी छात्र ऋण के बोझ तले दबे हुए हैं: अमेरिकी शिक्षा सचिव

एजेंसी

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने कॉलेज शिक्षा की बढ़ती लागत पर लगाम कसने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी बीच, शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कांग्रेस को बताया कि 4.3 करोड़ अमेरिकी वर्तमान में कुल 1.7 ट्रिलियन डॉलर के भारी छात्र ऋण का बोझ उठा रहे हैं। लिंडा ने प्रतिनिधि सभा की शिक्षा और कार्यबल समिति के समक्ष पेश होकर व्यापक छात्र ऋण सुधारों का बचाव किया और कहा कि असीमित संघीय ऋण व्यवस्था ने पूरे देश में कॉलेज की फीस में भारी वृद्धि को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, 'हम पर 1.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है और 4.3 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हैं। कॉलेज की लागत कम करने के लिए हमें वास्तव में कुछ करना होगा।'

यह सुनवाई जल्द ही प्रशासन की उच्च शिक्षा सुधार योजना पर तीखी बहस में बदल गई। खासकर नर्सिंग, शिक्षण और सामाजिक कार्य जैसे कार्यक्रमों के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के ऋण पर नई सीमाओं को लेकर। डेमोक्रेटिक नेताओं ने चेतावनी दी कि ये बदलाव कार्यबल की कमी को और बढ़ा सकते हैं और छात्रों को महंगे निजी ऋण लेने पर मजबूर कर सकते हैं।

कनेक्टिकट से प्रतिनिधि जो कर्टनी ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह ऐसे समय में उन्नत नर्सिंग शिक्षा को और महंगा बना रहा है, जब देश गंभीर स्वास्थ्यकर्मी कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ स्नातकोत्तर नर्सिंग कार्यक्रम पहले ही नई संघीय ऋण सीमा से अधिक महंगे हैं।

मैकमोहन ने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों पर फीस कम करने का दबाव बनाना है।उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य उच्च शिक्षा की लागत को कम करना है,' और बताया कि नए नियमों की घोषणा के बाद कुछ विश्वविद्यालयों ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की फीस घटानी शुरू कर दी है। मैकमोहन ने तर्क दिया कि संघीय ऋण नीतियों ने वर्षों तक कॉलेजों को बिना किसी नियंत्रण के फीस बढ़ाने की अनुमति दी। उन्होंने सांसदों से कहा, 'विश्वविद्यालयों को मनमानी फीस वसूलने की छूट मिली हुई थी।' शिक्षा सचिव ने संघीय छात्र सहायता प्रणाली में किए गए सुधारों को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि नया एफएएफएसए आवेदन पहले से कहीं जल्दी शुरू किया गया है और अब इसे पूरा करने में कई दिनों के बजाय लगभग 35 मिनट लगते हैं। उन्होंने सांसदों को बताया कि प्रशासन ने पहचान सत्यापन उपायों को मजबूत किया है और 'घोस्ट स्टूडेंट्स' तथा एआई जनित फर्जी आवेदनों सहित 1 अरब डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी वाली छात्र सहायता भुगतान को रोका है।

मैकमोहन ने कहा, 'हमें कुछ संदिग्ध संकेत दिखाई देने लगे थे,' और बताया कि अधिकारियों ने आईपी एड्रेस तथा डुप्लीकेट फोटो आईडी के जरिए संदिग्ध आवेदनों की पहचान की।

समिति में रिपब्लिकन सदस्यों ने इन सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि छात्र ऋण प्रणाली में जवाबदेही बहाल करने के लिए ये जरूरी हैं। समिति अध्यक्ष टिम वालबर्ग ने कहा कि प्रशासन ने पुनर्भुगतान कार्यक्रमों को सरल बनाया है और उधारकर्ताओं की 'जिम्मेदारी' वापस लाई है। उन्होंने इसे जो बिडेन काल की असफल ऋण माफी योजनाओं के बाद जरूरी कदम बताया।

page 1 and 8 may 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/16/2026 12:41 AM Page 2

स्थानीय समाचार

विधानसभा अध्यक्ष ने क्रेमशोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया

बडगाम, 15 मई (हि.स.)। स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और रोगी देखभाल सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज क्रेमशोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवस्थापित स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया।

इन सुविधाओं में एक समर्पित हेल्पलाइन सेवा, एक अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन और एक आधुनिक दंत चिकित्सक की कुर्सी शामिल हैं जिनका उद्देश्य स्थानीय आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, निदान क्षमताओं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए अध्यक्ष ने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा बुनियादी ढांचे का उन्नयन समय पर निदान, बेहतर उपचार सुविधाओं और तृतीयक स्वास्थ्य संस्थानों पर निर्भरता को कम करने के लिए एक प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने बताया कि क्रेमशोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत निदान और दंत चिकित्सा सुविधाओं के जुड़ने से क्रेमशोर और आसपास के क्षेत्रों के रोगियों को काफी लाभ होगा।

इस अवसर पर उद्घाटन की गई हेल्पलाइन सेवा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और रोगी देखभाल को सुगम बनाएगी। अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन की स्थापना से निदान सेवाओं में काफी सुधार होने की उम्मीद है विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग मरीजों और तत्काल इमेजिंग सहायता की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को इससे लाभ होगा। इसी प्रकार नई स्थापित डेंटल चेयर से मौखिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी जिससे स्थानीय स्तर पर विशेष दंत चिकित्सा उपचार संभव हो सकेगा और मरीजों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों ने गणमान्य व्यक्तियों को स्वास्थ्य संस्थान के कामकाज और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, निवारक देखभाल और रोगी संतुष्टि में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रही पहलों के बारे में जानकारी दी।

अध्यक्ष ने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की।

कठुआ में जनगणना 2027 के स्व-गणना चरण की तैयारियों की समीक्षा

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। उपायुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी राजेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला प्रशासन कठुआ ने शुक्रवार एक वर्चुअल बैठक आयोजित कर जनगणना 2027 के स्व.गणना चरण 17 से 31 मई 2026 की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में जिला व सेक्टर स्तर के अधिकारी, सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्य तथा प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान स्व-गणना प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागू करने और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्व.गणना के महत्व और प्रक्रिया के बारे में जागरूक करें। उन्होंने सभी विभागों और शिक्षण संस्थानों से समन्वय के साथ कार्य करने और इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। अधिकारियों ने जिला प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अवैध लकड़ी से भरा ट्रक जब्त, बीते पांच दिनों में 11 ट्रक जब्त

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। वन संपदा की तस्करी पर सख्ती दिखाते हुए कठुआ वन मंडल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जलाऊ लकड़ी (फायरवुड) से लदे एक ट्रक को जब्त किया है। यह कार्रवाई लखनपुर स्थित एपीसीपी के रेंज अधिकारी संजीव सिंह की अगुवाई में विजिल टीम द्वारा की गई जो डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर कठुआ अंकित सिन्हा आईएफएस के निर्देशन में संचालित हो रही थी।

जानकारी के अनुसार ट्रक नंबर जेके02सीएच-8757 में अवैध रूप से लकड़ी लादकर उसे जम्मू-कश्मीर से पंजाब की ओर ले जाया जा रहा था। वन विभाग की टीम ने दिन के समय ही मुस्तैदी दिखाते हुए वाहन को पकड़कर जब्त कर लिया। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि तस्करी पर लगाम लगाने के लिए उनकी टीमें 24 घंटे सतर्क हैं और संवेदनशील मार्गों व ट्रांजिट प्वाइंट्स पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने कहा कि जोखिमों के बावजूद अवैध लकड़ी और अन्य वन उत्पादों की तस्करी के खिलाफ अभियान को और तेज किया गया है। गौरतलब हो कि गत दिनों एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए वन अधिकारियों के निजी वाहन को टक्कर मारने की कोशिश की जिसमें एक फॉरेस्ट गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं लगातार कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। वन विभाग के अनुसार पिछले कुछ दिनों में तस्करी के कई प्रयास नाकाम किए गए हैं। वन विभाग ने दोहराया है कि अवैध कटान, परिवहन और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में चोरी, 13 लाख का 24 कैरेट सोना लेकर फरार हुआ चोर

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। कठुआ शहर में एक चैंकाने वाली चोरी की घटना सामने आई है जिसने स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में चिंता बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार शाम करीब 6:30 बजे प्रिंस ज्वेलर्स में एक अज्ञात चोर ने करीब 73 ग्राम 24 कैरेट सोना चोरी कर लिया। चोरी हुए सोने की कीमत लगभग 13 लाख रुपये बताई जा रही है। इस घटना को लेकर दुकान मालिक बोध राज ने इसे केवल एक दुकान का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे कठुआ व्यापारिक समुदाय के लिए चिंता का विषय बताया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं शहर में असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं और मेहनत से व्यवसाय चलाने वाले लोगों को आर्थिक व मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। ज्वेलर्स ने सभी सोना कारोबारियों और आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी किया गया सोना बेचने या बदलवाने के लिए बाजार में लाया जा सकता है। उन्होंने आग्रह किया है कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध 24 कैरेट सोना बेचने या बनवाने के लिए संपर्क करता है तो तुरंत इसकी सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या दिए गए संपर्क नंबरों पर दें। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

बोबिया में आयुक्त सचिव का दौरा, सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास पर जोर

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। सूचना, योजना, विकास एवं निगरानी विभाग की आयुक्त सचिव आर. ऐलिस वाज ने शुक्रवार को सीमावर्ती गांव बोबिया का दौरा कर वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 के तहत विकास कार्यों की समीक्षा की और जनसुनवाई शिविर आयोजित कर स्थानीय लोगों से संवाद किया।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है। इसके तहत कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और डिजिटल सुविधाओं में सुधार कर विकास की खाई को पाटा जाएगा। आयुक्त सचिव ने केंद्र और राज्य प्रायोजित योजनाओं के समन्वय व शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने पर जोर देते हुए लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने एचएडीपी और मिशन युवा जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बल दिया। इस दौरान अधिकारियों ने बोबिया और गजनाल गांवों के प्रस्तावित विकास योजनाओं को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया। बाद में आयुक्त सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा चल रही योजनाओं की स्थिति की समीक्षा कर कमियों को दूर करने और जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने बताया कि जिले के 216 सीमावर्ती गांवों में से छह गांवों को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 में शामिल किया गया है।

विधानसभा ने केंद्र के सामने रखा 185 किमी का ड्रीम कॉरिडोर

कठुआ/जसरोटा, 15 मई (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर जम्मू क्षेत्र में लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाओं को जल्द मंजूरी देने की जोरदार पैरवी की।

बैठक के दौरान जसरोटिया ने कठुआ-बिलावर-मनवाल-बसोहली-बनी-भद्रवाह रेल कॉरिडोर को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति देने की मांग उठाई। उन्होंने नव कठुआ रेलवे स्टेशन निर्माण समिति द्वारा तैयार प्रस्ताव का विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए इस परियोजना को विकास, पर्यटन और रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि करीब 185 किलोमीटर लंबी इस बहु-चरणीय परियोजना को पांच चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में पंजाब के माधोपुर (अजीजपुर) से कठुआ होते हुए बिलावर तक रेल लाइन प्रस्तावित है जबकि आगे के चरणों में इसे मनवाल, बसोहली, बनी और भद्रवाह तक जोड़ा जाएगा। जसरोटिया ने कहा कि पहले चरण का प्री-फिजिबिलिटी सर्वे रेलवे मंत्रालय द्वारा किया जा चुका है और इसे तकनीकी रूप से व्यवहार्य पाया गया है। विधायक ने बताया कि इस परियोजना के तहत शिवालिक पहाड़ियों के नीचे करीब 4.45 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी जिससे कठुआ से बिलावर की दूरी 85 किलोमीटर से घटकर लगभग 30 किलोमीटर रह जाएगी। उन्होंने कहा कि यह रेल कॉरिडोर न केवल दुर्गम और पहाड़ी इलाकों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगा बल्कि पर्यटन, व्यापार, रोजगार और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। साथ ही यह उधमपुर-बारामुला रेल नेटवर्क के लिए एक वैकल्पिक संपर्क मार्ग भी साबित हो सकता है। जसरोटिया ने कठुआ शहर के बीचों-बीच वैकल्पिक रेलवे स्टेशन बनाने का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि वर्तमान कठुआ रेलवे स्टेशन शहर से बाहर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है जिससे आम यात्रियों को असुविधा होती है। प्रस्तावित 17.80 किलोमीटर लंबी सुजानपुर-बुधी रेल लाइन के तहत कठुआ शहर में नया स्टेशन और शेरपुर में फ्लैग स्टेशन बनाया जाएगा जिससे करीब 100 गांवों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने जसरोटा क्षेत्र में रेलवे अंडरपास बनाने की भी मांग उठाई।

एडीसी ने एनजीटी दिशानिर्देशों के सख्त पालन के निर्देश दिए

भद्रवाह, 15 मई। पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा हेतु अतिरिक्त उपायुक्त भद्रवाह सुनील कुमार भुट्याल ने उपखंड में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (हृत्रञ्ज) के दिशानिर्देशों के सख्त पालन के निर्देश दिए हैं। आज आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में एडीसी ने वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण सहित पर्यावरणीय मानकों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया। मुख्य निर्देशों में कचरा संग्रहण प्रणाली की दैनिक निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु जियो-टैग्ड तस्वीरों को प्रतिदिन साझा करना शामिल है।

जम्मू विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

जम्मू, 15 मई। विज्ञान क्लब उत्साह द्वारा जम्मू-कश्मीर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के सहयोग से आज जम्मू विश्वविद्यालय में विकसित भारत के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विज्ञान विशेषकर कृषि प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ साझा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारतञ्च2047 की दिशा में भारत की विकास यात्रा को गति देने वाली उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्रदान करना तथा युवाओं को नशे और व्यसनों से दूर रखते हुए ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर प्रेरित करना था। कार्यक्रम में एसकेयूएएसटी के प्रसिद्ध एआई विशेषज्ञों, जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों और जम्मू विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने राष्ट्र निर्माण में उन्नत तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग पर व्याख्यान दिए। मुख्य अतिथि वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार ने वैश्विक तकनीकी प्रगति के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रेरणादायक संबोधन दिया। कार्यक्रम की विशेष अतिथि जेकेएसटीआईसी की सहायक निदेशक श्रुति खन्ना थीं। सम्मानित अतिथि एसकेयूएएसटी के कृषि विज्ञान केंद्र अराज़ी-सांबा के मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. संजय खजूरिया ने जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर के नवाचारों को बढ़ावा देने पर बल दिया। मुख्य वक्ताओं में डॉ. आकाश शर्मा ने कृषि एवं बागवानी प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. अंकित महाजन ने जैव प्रौद्योगिकी तथा आनुवंशिक रोगों के बारे में जानकारी साझा की।

नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत एंटी-ड्रग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भद्रवाह। समाज कल्याण विभाग ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आज भद्रवाह में 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, स्थानीय निवासियों और अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। वक्ताओं ने नशे के सामाजिक, कानूनी और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए समाज से इस बुराई को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिभागियों को सतर्क रहने तथा सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त समाज के निर्माण के मिशन में सक्रिय सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

चौधरी लाल सिंह का सरकार पर तंज, जीएमसी कठुआ के हड़ताली कर्मियों को समर्थन

कठुआ, 15 मई (हि.स.)। जीएमसी कठुआ में सर्विस रूल लागू करने की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से हड़ताल पर बैठे नॉन-गजेटेड स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री चौधरी लाल सिंह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कर्मियों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला।

पत्रकारों से बातचीत मे चौधरी लाल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों के साथ भारी बेइंसा जिसके चलते उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हड़ताल पूरी तरह से उचित है, लेकिन इसके कारण प्रदेश के लगभग 6 अस्पताल प्रभावित हो रहे हैं और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने सरकार से तुरंत इस मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। पूर्व मंत्री ने कहा कि पहले 200-250 बेड वाले मेडिकल कॉलेज अब 600-700 बेड तक पहुंच चुके हैं लेकिन उसी अनुपात में स्टाफ को न प्रमोशन मिल रहा है और न ही उनके लिए सर्विस रूल बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इतने बड़े बोझ के बावजूद कर्मचारियों के साथ ऐसा व्यवहार गलत है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

चौधरी लाल सिंह ने कहा कि वे स्वास्थ्य कर्मियों के साथ खड़े हैं और उनकी हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने सरकार से अपील की कि जहां भी सर्विस रूल से जुड़ी फाइलें लंबित पड़ी हैं, उन्हें तुरंत निकालकर इस मुद्दे का समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की मांगें जायज हैं लेकिन हड़ताल के चलते मरीजों को जो परेशानियां हो रही हैं उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार को संतुलित तरीके से इस समस्या का हल निकालना चाहिए।

ग्रामीण शिक्षा में बदलाव की पहल- संयुक्त सचिव ने डिजिटल नैतिकता और कौशल विकास पर दिया जोर

आमिर इकबाल खान
भद्रवाह, 15 मई

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन को बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ये विद्यालय डिजिटल नैतिकता और व्यावसायिक उत्कृष्टता के आदर्श केंद्र बनने चाहिए।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य भी रहे डॉ. शर्मा ने यह बात डोडा जिले के अंतर्गत प्रधानमंत्री उत्कृष्ट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भलरा, भद्रवाह के दौरे के दौरान कही। उनका यह दौरा प्रधानमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना के तहत संचालित शैक्षणिक गतिविधियों और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

मुख्य शिक्षा अधिकारी डोडा भूषण कुमार पाठक तथा समग्र शिक्षा के राज्य समन्वयक फ़ैयाज़ अहमद के साथ पहुंचे डॉ. शर्मा ने विद्यालय की डिजिटल शिक्षण प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया।

समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य ऐसा आधुनिक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है जो पारंपरिक शिक्षा और भविष्य उन्मुख कौशल के बीच की दूरी को समाप्त करे। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि स्थानीय समुदाय तक विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए। डिजिटल युग की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने डिजिटल नैतिकता की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि आभासी कक्षाओं में बढ़ते समय के साथ विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार की जानकारी देना बेहद जरूरी है।उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार की भी वकालत करते हुए कहा कि व्यावहारिक कौशल भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विद्यार्थियों को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि रोजगार योग्य और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला सक्षम नागरिक बनाना समय की मांग है।